सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 217 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 21 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

एक साथ हुआ 17 शवों का अंतिम संस्कार सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

मृतकों के परिजन को 5-5 लाख और घायलों को मिलेंगे 50 हजार रुपए

■ **कबीरधाम जिले के कुकदूर में गहरी खाई में पिकअप गिरने से हुई थी 19 लोगों की मौत, 4 घायल**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में सोमवार दोपहर को हुए हादसे में मृत 19 लोगों में से 17 का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। वहीं दो महिलाओं के शवों का उनके ससुराल में अंतिम संस्कार हुआ। सेमरिया गांव के इन मृतकों के अंतिम संस्कार में पूरा गांव उमड़ पड़ा। इस दौरान छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा पूरे समय मौजूद रहे। अंतिम संस्कार के दौरान पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। इधर छत्तीसगढ़ सरकार ने मुआवजे का ऐलान कर दिया है। हादसे में मृतक के परिजनों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसकी घोषणा की है। सीएम साय ने घायलों को उचित इलाज मुहैय्या कराने का भी निर्देश दिया है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपानी में सोमवार दोपहर को 30 फीट गहरी खाई में पिकअप वाहन गिर गया। पिकअप में सेमरियां गांव की महिलाएं सवार थी जो कि तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गई हुई थी। वापसी में वे सभी पिकअप में सवार हो कर आ रही थी। इस दौरान पिकअप गहरी खाई में गिर गया और हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 18 महिलाएं शामिल थी। हादसे के बाद कुछ महिलाओं के शव काफी क्षत विक्षत हो गए थे। हादसे की सूचना में बाद कबीरधाम पुलिस एक्टिव हुई और आसपास के ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया। हादसे में 13 लोगों की मौके पर मौत हो गई और 5 लोगों की अस्पताल में पहुंचने के बाद मौत हुई। वहीं हादसे में घायल चार लोगों का इलाज जारी है।

देर रात पहुंचे डिप्टी सीएम व पूर्व सीएम

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा सोमवार देर रात मृतकों के परिजनों के घर पहुंचे। सभी मृतक सेमरिया गांव के हैं और घायलों को पंडरिया व कुकदूर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पहले पंडरिया और कुकदूर में भर्ती घायलों से मुलाकात की। इसके बाद वे सेमहारा गांव गए। इस दौरान परिवार के लोगों से फोन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बात कराई। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी देर रात सेमहारा गांव पहुंचे थे। उन्होंने मृतक और घायल परिवार के सदस्यों से देर रात निवास स्थान पहुचंकर ढांढस बंधाया।

पिकअप में सवार थे 25 लोग

एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि थाना कुकदूर क्षेत्र के तहत ग्राम बाहपानी के पास पिकअप वाहन खाई में गिरा है। पिकअप में लगभग 25 लोग सवार थे जो तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। सभी वापस आ रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। घटना की सूचना पाकर पुलिस घटना स्थल के लिए रवाना हो गई है। एसपी पल्लव ने बताया कि घटना स्थल में मोबाइल नेटवर्क काम नहीं करता, जंगल और पहाड़ी एरिया है। घटना स्थल से कुकदूर तहसील मुख्यालय करीब 35 किमी दूर है। हादसे में मृतक सभी लोग सोमवार को तेंदूपत्ता की तोड़ई करने गए थे। गांव का ही पिकअप वाहन था। हादसे में मीराबाई, टीकू बाई, सिरदारी, जनियाबाई, मुंगिया बाई, झंगलो बाई, सियाबाई, किरण, पटोरीन बाई, धनैया बाई, शांति बाई, प्यारी बाई, सोनम बाई, बिस्मत बाई, लीलाबाई, परसदिया बाई, भारती व सूक्ति बाई की मौत हो गई। वहीं मुन्नी बाई, धानबाई, ममता व गुलाब सिंह घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है।

हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व पीएम मोदी ने जताया दुख

कबीरधाम हादसे पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ गृहमंत्री अमित शाह ने भी शोक व्यक्त किया। हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है।

हादसे पर सीएम साय ने भी जताया शोक, फोन पर की बात

हादसे पर सीएम साय ने दुख जताते हुए कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से 18 ग्रामीणों के निधन एवं 7 के घायल होने का दु:खद समाचार प्राप्त हो रहा है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश ज़िला प्रशासन को दिए गए हैं। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। सीएम साय ने देर रात मृतकों के परिजनों से फोन पर बात की और हरसंभव सहायता देने का वादा किया।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने हादसे पर जताया दुख

हादसे पर दुख जताते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपाली में तेंदूपत्ता संग्राहकों के पिकअप वैन की सड़क दुर्घटना का समाचार पीड़ादायक है। दुर्घटना में असमय काल कलवित हुए श्रमिकों एवं बैगा आदिवासियों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। शोक की इस घड़ी में हम सब की संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। ? शांति:।

खास-खबर

खेत में खून से सनी मिली किसान की लाश

राजनांदगांव। खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा के गृहग्राम देवारीभाट में बीती रात को खेत में बोर का मशीन बंद करने गए एक किसान की खून से लथपथ हालत में लाश मिली। अज्ञात आरोपियों द्वारा किसान की खेत में ही हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर विवेचना में जुटी है। देवारीभाट निवासी 33 वर्षीय किसान उमेश वर्मा रात को अपने खेत में बोर की मशीन बंद करने गया था। सुबह उसकी लाश खेत में ही खून से सनी हुई मिली। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। किसान उमेश वर्मा रात को खाना खाने के बाद गांव के ही अपने खेत में बोर की मशीन बंद करने गया था। उमेश के रातभर घर नहीं लौटने पर उसके परिजन सुबह खेत पहुंचे तो उसका शव मिला। शरीर में कई जगहों पर चोट के निशान थे। बताया जा रहा है कि उमेश मशीन बंद करने खेत तो पहुंचा, लेकिन मशीन बंद करने के पहले ही उसकी हत्या कर दी गई। सुबह खेत पहुंचे परिजनों ने बोर मशीन को बंद किया और घटना की जानकारी पुलिस व ग्रामीणों को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच मृतक के शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

युवक की लाश मिलने से हड़कंप, गला रेतकर हुई हत्या, जांच में जुटी पुलिस

कबीरधाम। कबीरधाम जिले में मंगलवार को हत्या का मामला सामने आया है। मामला सिटी कोतवाली कवर्धा का है, जहां खेत में युवक की लाश मिली है। मृतक का नाम राजू राजपूत पिता जगदीश राजपूत उम्र 35 वर्ष निवासी घुघरी कला ठाकुर पारा का है।

खेत में एक झोपड़ी बनी हुई थी। झोपड़ी में संदिग्ध अवस्था में शव मिला है। गले और शरीर के कई हिस्सों पर निशान हैं। एफ्एसएस, डाग स्क्रायड की टीम को भेजा जा रहा है। साथ ही सायबर की टीम भी मौके पर पहुंच रही है। मृतक के बैक ग्राउंड पता किया जा रहा।

कई सीटों पर उलटफेर की गुंजाइश!

जनता का मूड भाँपने के बाद दोनों दलों में दिख रहा उत्साह, अब नतीजों का बेसब्री से इंतजार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर तीन चरणों में चुनाव सम्पन्न होने के बाद राजनीतिक दल जनता का मूड़ भाँपने में जुटे रहे। अब जो रिपोर्ट इन दलों के आला नेताओं के पास पहुंची है, उसने कई तरह के संकेत दिए हैं। राज्य की कई सीटों पर उलटफेर की संभावना भी जाहिर की जा रही है। वहीं कुछ सीटों में मुकाबला इतना कड़ा बताया गया है कि नतीजा कुछ भी हो सकता है। हालांकि बीजेपी सभी 11 सीटें जीतने के अपने दावे पर अब भी कायम है। लेकिन कांग्रेस के नेताओं के चेहरों पर दिख रहा उत्साह कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है। कांग्रेस को उम्मीद है कि इस बार पार्टी राज्य में इतिहास रचने जा रही है। अलग राज्य बनने के बाद से अब तक कांग्रेस एक या दो सीटों पर ही जीतती रही है, लेकिन कांग्रेस को भरोसा है कि इस बार उसका रिकार्ड दुरूस्त होगा।

छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच इस बार भी सीधी टक्कर देखने को मिली। राज्य बनने के बाद वोटर्स ने सिर्फ इन्हीं दो पार्टियों पर भरोसा जताया है। इस बार भी लगभग ऐसा ही रिजल्ट सामने आएगा। तीसरा मोर्चा और निर्दलीय प्रत्याशी हर बार की तरह इस बार भी सहायक भूमिका में ही नजर आएंगे। भले ही नतीजे 4 जून को आएंगे, लेकिन जिस तरह का वोटिंग पैटर्न रहा है, उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि इस बार छत्तीसगढ़ में जनता का मूड कुछ नया करने का है। ऐसे में कई सीटों पर प्रत्याशियों की किस्मत पलटने की संभावना है। इस बार छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव में 220 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई, जिसमें सबसे ज्यादा उम्मीदवार रायपुर से 38, फिर बिलासपुर से 37, कोरबा से 27, दुर्ग से 25, जांजगीर चांपा से 18, महासमुंद से 17, राजनांदगांव से 15, रायगढ़ से 13, बस्तर से 11, सरगुजा से 10 और सबसे कम कांकेर से 9 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा।

बदल सकता है समीकरण

बस्तर में पहला चरण का मतदान 19 अप्रैल को हुआ था। जिसमें 68.29 फीसदी जनता ने वोट डाले। पिछली बार बस्तर में 70 फीसदी मतदान हुआ था। लेकिन इस बार धुंआधार प्रचार के बाद भी बस्तर की जनता वोटिंग के लिए बाहर नहीं निकली। बस्तर के ट्रेंड की बात करें तो जब-जब यहां कम वोटिंग हुई है, विधानसभा के सत्ताधारी दल को इसका फायदा मिला है। विधानसभा की बात करें तो बस्तर की ज्यादातर सीटें बीजेपी के पास हैं, ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि इस बार बस्तर में समीकरण बदल सकते हैं। वहीं, हाई प्रोफाइल राजनांदगांव लोकसभा सीट में इस बार कांग्रेस ने अपने सबसे बड़े राजनीतिक खिलाड़ी को मैदान में उतारा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव सीट से टिकट मिली थी। इस बार राजनांदगांव लोकसभा सीट में 77.42 फीसदी मतदान हुआ, जो पिछली बार के मुकाबले 3.42 फीसदी ज्यादा है। राजनांदगांव सीट की बात करें तो लोकसभा में आने वाली ज्यादातर विधानसभा सीटें कांग्रेस के कब्जे में हैं। सिर्फराजनांदगांव विधानसभा ही बीजेपी के पास है। वहीं कवर्धा और पंडरिया विधानसभा सीटें बीजेपी के पाले में हैं। ऐसे में कांग्रेस का कैडर वोट पार्टी के पक्ष में गया तो इस सीट पर बड़ा बदलाव हो सकता है। हालांकि विधानसभा के नतीजों से लोकसभा की तुलना करना उचित नहीं है, क्योंकि दोनों चुनाव अलग-अलग मुद्दों और अलग परिस्थितियों में लड़े जाते हैं।

क्या कोरबा में पलटेगी बाजी?

कोरबा लोकसभी सीट में जनता अपना नेता हर पांच साल में बदलती रही है। पिछली बार यहां कांग्रेस की ज्योत्सना महंत जीतीं थी। इस बार फिर से कांग्रेस ने ज्योत्सना महंत को टिकट दिया। वहीं बीजेपी ने अपनी फायर ब्रांड नेता सरोज पाण्डेय को मैदान में उतारा। लेकिन पिछली बार के मुकाबले इस बार कोरबा में कम वोटिंग हुई। कोरबा में 75.63 प्रतिशत वोट पड़े, जो कहीं ना कहीं इस बात का संकेत दे रहे हैं कि वोटर्स ने इस बार सीटिंग एमपी के प्रति दिलचस्पी नहीं दिखाई। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार है और यहां की विपधानसभा सीटों पर भी भाजपा बहुमत में है। ऐसे में यदि कैडर वोट का साथ रहा तो यहां पर बाजी पलट सकती है। कोरबा लोकसभा सीट परिसीमन के बाद पहली बार 2008 में अस्तित्व में आई थी। ये सीट पहले जांजगीर चांपा के के अंतर्गत थी। इस सीट पर पहली बार चुनाव 2009 में हुआ, जिसमें कांग्रेस के चरणदास महंत ने बीजेपी की करुणा शुक्ला को हराया था। 2014 में बीजेपी के बंशीलाल महतो ने चरणदास महंत को हराया। कोरबा लोकसभा में आठ विधानसभा भरतपुर-सोनहत, मनेंद्रगढ़, बैकुंठपुर, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार और मरवाही आती है।

जम्मू कश्मीर में रिकॉर्ड तोड़ मतदान से ईसीआई भी खुश, कहा- विधानसभा चुनाव भी जल्द कराएंगे

श्रीनगर (एजेंसी)। कभी आतंकवाद प्रभावित रहे जम्मू-कश्मीर के बारामूला में लोकसभा चुनाव के दौरान बंपर मतदान ने अभी तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी पीके पोल ने बताया कि बीते कुछ दशकों में जहां यहां मतदान 10 प्रतिशत से भी कम दर्ज होता था। सोमवार को लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए सर्वाधिक 59 फीसदी मतदान हुआ है। सोपोर में 44.36 प्रतिशत मतदान हुआ है। बारामूला में बंपर मतदान से गदगद मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का कहना है कि वह जम्मू कश्मीर में भारी मतदान से काफी प्रोत्साहित हैं और जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

जम्मू कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पीके पोल ने मतदान के अंत में संवाददाताओं से कहा, बारामूला लोकसभा क्षेत्र में 1967 में पहली बार संसदीय चुनाव होने के बाद इस बार रिकॉर्ड मतदान हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय क्षेत्र के सोपोर विधानसभा क्षेत्र में 44.36 प्रतिशत मतदान हुआ, जहां बीते कुछ दशकों में मतदान प्रतिशत 10 प्रतिशत से कम दर्ज किया जाता था। बारामूला लोकसभा क्षेत्र में इससे पहले सबसे अधिक 58.90 प्रतिशत मतदान 1984 में हुआ था।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने ईटी से बातचीत में कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश में भारी मतदान से काफी प्रोत्साहित हैं और जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने की दिशा में भी आगे बढ़ेंगे। उन्होंने भारी मतदान के लिए जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव के लिए काम शुरू किया जाएगा।

यहां भी दिख सकता है परिवर्तन

न्यायधानी बिलासपुर में इस बार कांग्रेस ने अपने युवा नेता देवेंद्र यादव को मैदान में उतारा। देवेंद्र यादव के मुकाबले बीजेपी के तोखन साहू मैदान में हैं। दोनों प्रत्याशियों की बात करें तो दोनों ही अपनी-अपनी जगह पर काफी मजबूत हैं। देवेंद्र यादव जहां मौजूदा विधायक है, वहीं तोखन साहू को विधायक का भी तजुर्बा है। इस बार बिलासपुर में 64.77 फीसदी मतदान हुआ है, जो पिछली बार के मुकाबले करीब 2.50 फीसदी कम है। ऐसे में ये कहना गलत न होगा कि कहीं ना कहीं बिलासपुर के वोटर्स ने इस बार वोटिंग में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। साथ ही साथ देवेंद्र यादव पर बाहरी होने का टैग ने वोटर्स को थोड़ा उलझाया है। वहीं यदि जांजगीर चाम्पा लोकसभा सीट की बात करें तो इस सीट पर 67.56 फीसदी मतदान हुआ, जो पिछली बार के मुकाबले ज्यादा है। इस बार कांग्रेस ने अपने सबसे बड़े चेहरे को जांजगीर चांपा से उतारा। वहीं बीजेपी की प्रत्याशी कमलेश जांगड़े हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव शिव डहरिया के मुकाबले थोड़ा कम है। जांजगीर चांपा की सभी विधानसभा सीटें कांग्रेस के पाले में हैं। ऐसे में यदि विधानसभा का वोटिंग फीगर बरकरार रहा तो इस सीट पर पिछली बार के मुकाबले इस बार बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

संपादकीय

दुर्घटना और रियायत

सड़क दुर्घटनाओं के प्रति हमारी गंभीरता का जिस तरह विकास दिखना चाहिए, दुर्भाग्य से वैसा दिख नहीं रहा है। पुणे में किशोर न्याय बोर्ड ने एक नाबालिग को जो सजा सुनाई है, उसकी चर्चा से बचा नहीं जा सकता। किशोर ने अनियंत्रित वाहन चलाकर दो युवाओं की जान ले ली, इसके बावजूद उसे बड़ी आसानी से जमानत मिल गई। सुनाई गई मामूली सजा के अनुसार, 17 वर्षीय किशोर को 15 दिन तक ट्रैफिक पुलिस के साथ काम करना पड़ेगा और दुर्घटना पर एक निबंध लिखना पड़ेगा।

> कुछ ही घंटों में इस मामूली सजा के साथ मिली जमानत का जो नकारात्मक असर होना है, उस पर तंत्र के सभी स्तंभों को विचार कर लेना चाहिए। यह दुर्घटना लापरवाही नहीं, बल्कि जघन्य अपराध है। इसमें एक साथ अनेक कानूनों का उल्लंघन हुआ है। किशोर को क्यों और किसने शराब परोसी? उसे चलाने के लिए किसने वाहन दिया? वह बिना पंजीकरण के गाड़ी कैसे चला रहा था? वह बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कैसे गाड़ी चला रहा था? वह तय सीमा से ज्यादा गति से वाहन कैसे चला रहा था? क्या वाहन की गति देखने और निगरानी करने वालों का पुणे में अभाव हो गया है?

ऐसा लगता है कि पीड़ितों के प्रति किशोर न्याय बोर्ड ने एक तरह से नाइंसाफी की है। न्याय बोर्ड से गुहार लगाई गई थी कि किशोर की उम्र इतनी भी कम नहीं है और उसके साथ वयस्कों जैसा ही व्यवहार होना चाहिए, पर बोर्ड ने इस दलील को खारिज कर दिया। सोचिए, क्या पीड़ितों को न्याय मिला? अनीस अवधिया (24) और अश्विनी कोस्टा (24) की आखिर क्या गलती थी? दोनों इंजीनियर नियम-कायदे के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। उन्हें पीछे से इतनी घातक टक्कर लगी कि उनकी जान चली गई। क्या पुणे में जान गंवाने वाले इंजीनियरों की तुलना में उस किशोर का बिल्डर पिता ज्यादा रसूखदार साबित हुआ? वैसे, पुलिस ने दोषी किशोर के पिता पर भी मामला दर्ज किया है और नाबालिग को शराब परोसने के आरोप में पब के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है? बोर्ड को जो करना था, उसने अतिरिक्त उदारता के साथ कर दिया, पर आगे क्या पुलिस इस मामले को अंजाम तक पहुंचा पाएगी? सड़क दुर्घटनाओं में रसूखदारों के प्रति नरमी कदापि नई नहीं है। कुछ ही बड़े मामलों में मीडिया पीड़ितों के साथ खड़ा होता है, तो रसूखदारों को सजा मिल पाती है। हाल ही में परिवहन संबंधी कानूनों को कड़ा किया गया है, पर कानूनों की पालना के प्रति लापरवाही आम है। ज्यादातर शहरों में परिवहन संबंधी नियमों की पालना सुनिश्चित नहीं होती है। ऐसे में, सड़क पर सुरक्षा सदा सवालों के घेरे में रहती है। क्या इस घटना या फैसले के बाद सड़कों पर सकारात्मक परिवर्तन दिखेगा?

बढ़ती आजादी के साथ तेज भागते दौर में किशोरों के प्रति सचेत होना जरूरी है। किशोरों में मासूमियत होती है, बचपना भी होता है, पर यह बात हरेक किशोर पर लागू नहीं होती। किशोरों में एक बड़ी संख्या बहुत अराजक, अशिष्ट और हिंसक है। केवल उम्र के आधार पर रियायत देने से बचना चाहिए। ध्यान रहे, भारत ही नहीं, अनेक देशों में किशोरों का इस्तेमाल बड़े अपराधों को अंजाम देने के लिए हो रहा है। अतः किशोरों द्वारा किए जा रहे अपराधों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। पुणे के मामले में ही देखें, तो कानून के अनुसार, अगर दोषी किशोर के दोषी पिता को कड़ी सजा मिल जाए, तो तमाम बच्चों और उनके अभिभावकों तक सही संदेश पहुंच जाएगा।

ताकि सड़क हादसों में अब किसी की जान न जाए

राघव चंद्रा, पूर्व सचिव, भारत सरकार

उत्तराखंड के सिलक्यारा में हिमालयी सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए 17 दिनों तक चले बचाव अभियान ने पूरे देश का ध्यान खींचा था। विदेश से आए विशेषज्ञों, उच्च तकनीक वाले बोरिंग उपकरण और 41 एंबुलेंस की तैनाती इस बात का सुबूत थी कि भारत मानव जीवन को खासा अहमियत देता है। मगर यह आश्चर्य की बात है कि भारतीय सड़कों पर प्रतिदिन इससे दस गुना अधिक लोगों की मौत पर हम जरूरी तत्परता नहीं दिखा रहे। बेशक, 1998 में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम शुरू किए जाने के बाद से सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने को लेकर प्रतिबद्धता दिखाई जाती रही है और कुछ मंत्रिगण इसकी समय-सीमा भी बताते रहे हैं, लेकिन जमीन पर यह समय-सीमा आगे ही बढ़ाई जाती रही। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि 2022 में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या 1,68,000 हो गई, जबकि 2021 में यह करीब 1,50,000 थी। जून, 2022 में जारी विश्व बैंक की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, सड़क हादसों और मौतों से भारत को अपनी जीडीपी का पांच फीसदी से अधिक का नुकसान होता है। ऐसे हादसों के शिकार 80 फीसदी से अधिक लोग उत्पादक आयु-वर्ग के होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व की केवल एक फीसदी गाड़ियां होने के बावजूद सड़क हादसों में दम तोड़ने वालों में भारत की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत है। यहां हर चार मिनट पर सड़क हादसे में जान जाती है।

एक आम गलतफहमी यह है कि खराब सड़कों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। मगर गुणवत्ता व लंबाई के मामले में एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों का उल्लेखनीय विकास हमने भारत में देखा है। असल में, सड़कें जितनी अच्छी होती हैं, गाड़ियां उतनी तेजी से फर्राटे मारती हैं, जिसके कारण लापरवाही हो सकती है। नतीजतन, हमारे राजमार्गों पर प्रतिदिन करीब 500 लोग दम तोड़ते हैं। सरकार ने यातायात उल्लंघन करने वालों के लिए कठोर दंड और जेल की सजा जैसे उपाय किए हैं, लेकिन जैसे-जैसे गाड़ियों की संख्या बढ़ती जाएगी, सड़क हादसों की आशंकाएं भी गहराती जाएंगी। ऐसे में, हादसों को कम करने के बजाय हमें मौत को रोकने के उपायों पर अधिक जोर देना चाहिए। मसलन, अभी घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल में ले जाते हैं। मगर रिपोर्ट बताती है कि मरने वाले लोगों में से आधे ने इसलिए दम तोड़ा, क्योंकि उनको जरूरी समय पर पर्याप्त मेडिकल सेवाएं नहीं मिल सकीं। ट्रॉमा केयर आपात सेवाएं अमूमन राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपलब्ध नहीं होतीं और यही चूक कई घायलों की जान पर भारी पड़ जाती है।

अमेरिका के कुछ राज्यों में पुलिस चिकित्सा सुविधाओं के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग करती है, जिसमें जरूरी चिकित्सा उपकरण और दवा आदि होते हैं। पायलटों को बचाव विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है और सहायक चिकित्सकों को दुर्घटना की आशंका वाले क्षेत्रों के अनुसार रिजर्व रखा जाता है। साल 2012 में जॉन्स होपकिन्स अध्ययन का निष्कर्ष था कि चोट की गंभीरता, चोट के प्रकार और मरीज की उम्र को यदि दरकिनार कर दें, तो जमीनी मार्ग की तुलना में हवाई मार्ग से दुर्घटना-पीड़ितों को ले जाने से उनके बचने की संभावना अधिक होती है। गंभीर रूप से घायल पीड़ितों में रक्तस्राव रोकने में देरी मौत की मुख्य वजह है। इसे रोकने के लिए सहायक चिकित्सकों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचाना आवश्यक होगा। इसी तरह, क्रिटिकल केयर सुपर-स्पेशियलिटी वाले ट्रॉमा सेंटरों की पहचान की जानी चाहिए और वहां हेलीकॉप्टर उतारने की उपयुक्त व्यवस्था होनी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार ने ऐसी आपात सेवा शुरू की है। केंद्र सरकार को भी देश भर के लिए व्यवस्थित उपाय करने चाहिए। नवोन्मेषी बीमा उत्पादों के माध्यम से हम ऐसी सेवाओं की लागत वसूलने का रास्ता भी निकाल सकते हैं। जो लोग बीमा लेने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए आयुष्मान भारत या अन्य योजनाओं में इसके प्रावधान किए जा सकते हैं। सड़क दुर्घटनाओं की कीमत न केवल पीड़ित व उनके परिवार, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था चुकाती है। अभी इस वित्तीय वर्ष का बजट नहीं आया है। हमें इन मौतों को थामने के लिए बजट का कुछ हिस्सा इस मद में भी देना चाहिए। यह एक अनिवार्य मसला है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नजरिया: चारधाम की आसान राह पर जब उमड़ने लगे लाखों श्रद्धालु

केदारनाथ के दर्शन करने में 48 साल के सचिन डबराल को इतनी मशक्कत कभी नहीं करनी पड़ी। लगातार कई बार केदारनाथ के दर्शन कर चुके सचिन का कहना है कि इतनी भीड़ उन्होंने पहली बार देखी। आंकड़े सचिन को सच साबित करते हैं।

गिरीश चंद्र गुरुरानी,
स्थानीय संपादक, उत्तराखंड

बीती 10 मई से चारधाम यात्रा प्रारंभ हुई है और एक सप्ताह में ही 4.01 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.58 लाख यात्रियों ने दर्शन किए थे। शुरुआती आंकड़ों को आधार मानें, तो इस वर्ष संख्या पिछले सारे रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए 75 लाख पार कर सकती है। बीते वर्ष 54.82 लाख श्रद्धालु आए थे।

किसी जमाने में केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की यात्रा पैदल ही की जाती थी। तब न सड़कें थीं और न ही जगह-जगह बाजार। तीर्थयात्री अपने ओढ़ने-बिछाने के साधनों के अलावा जरूरी राशन भी पीठ पर लादकर चलते थे और किसी पड़ाव पर पहुंचकर खुद ही भोजन बनाते और जमीन पर सो जाते। अगली सुबह पौ फटने से पहले फिर यात्रा शुरू। महीनों पैदल सफर के बाद लोग घर लौटते। कुछ तो रास्ते में ही देह त्याग देते। कई माह तक घर न लौटने वालों को मृत मानकर अंतिम संस्कार कर दिया जाता था। सुविधाएं क्या बढ़ीं, अब लोग एक ही दिन में किसी धाम के दर्शन कर लौट जाना चाहते हैं।

दरअसल, देश-विदेश के करोड़ों लोग उत्तराखंड के चारधाम- गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ का दर्शन-लाभ लेने की कामना रखते हैं। इन दिनों में भारी भीड़ उमड़ती है। कारण, जाड़े में बर्फबारी के चलते लगभग छह माह तक चारों धामों के कपाट बंद रहते हैं। अप्रैल-मई से लेकर नवंबर तक चलने वाली यह यात्रा बीच में करीब तीन माह बरसात के कारण बाधित रहती है। मानसून के दौरान पहाड़ों पर भूस्खलन से सड़कों के बंद होने का खतरा भी बना रहता है। इस दौरान यात्रा करना भारी जोखिम भरा हो जाता है। 15 जून के बाद मानसून के सक्रिय होते ही दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

केदारनाथ में साल 2013 की 16-17 जून की तबाही याद करके आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। तब मानसून की शुरुआत में ही चौराबाड़ी झील के दरकने से पानी के तेज बहाव में हजारों टन मलबा शामिल हो गया था। केदारनाथ और उसके रास्ते में जमा हजारों लोगों को यह मलबा अपने साथ बहा ले गया था। इसलिए मई से 15 जून और सितंबर अंत से नवंबर की शुरुआत तक लगभग तीन माह का समय यात्रा के उपयुक्त रहता है। इन्हीं महीनों में मैदानी इलाकों के स्कूलों में गरमी की छुट्टियां पड़ती हैं। यह भी एक कारण है कि ज्यादातर श्रद्धालुओं की पसंद मई-जून का सीजन रहता है। इसी से चारधाम के लिए इस बार अनुमान से ज्यादा भीड़ उमड़ आई है, जिसके नियंत्रण के प्रबंध छोटे पड़ गए हैं।

भीड़ को काबू करने के लिए सरकार ने ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की है, पर इसे धरातल पर नहीं उतारा जा सका है। जैसे, केदारनाथ जाने के लिए हर दिन 18 हजार की तादाद तय की गई, पर पहले ही दिन लगभग 30 हजार लोग पहुंच गए। क्या ये अतिरिक्त श्रद्धालु स्थानीय लोग थे? सिर्फ पंजीकृत श्रद्धालु ही वहां पहुंचें, इसके लिए क्या कोई सिस्टम काम कर रहा था? इन प्रश्नों की जवाबदेही से सारे महकमे पीछे हट जाते हैं। सारी दिक्कत स्थानीय पुलिस-प्रशासन को झेलनी पड़ती है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि नागरिक सुविधाएं बढ़ने से भविष्य में भीड़ और अधिक बढ़ेगी। इसलिए तत्काल बेहतरीन यात्रा प्रणाली बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए वैष्णो देवी, चिंतपूर्णी, तिरुपति बालाजी, जगन्नाथ पुरी आदि के प्रबंधन से सीखने की आवश्यकता है। मंदिर परिसर में भीड़ जमा करने के बजाय लंबी कतार लगाने की व्यवस्था ज्यादा कारगर होती है। हिमालय खासकर चारधाम क्षेत्र को न केवल पर्यावरण प्रदूषण, बल्कि ध्वनि प्रदूषण से भी बचाने की जरूरत है।

गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एमपीएस बिष्ट की राय में शैशव अवस्था के चलते हिमालय की प्राकृतिक प्रक्रियाएं जारी हैं। ऐसी जगह पर मानवीय गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाकर हम उससे छेड़छाड़ कर रहे हैं। गौर कीजिए, हमारे पूर्वजों ने वहां भव्य मंदिर बनाया, लेकिन रहने के लिए कुटिया तक नहीं बनाई। ये साधना की तपोस्थली हैं। लेकिन आज हम इनको प्रदूषण, हेलीकॉप्टरों व मनुष्यों के शोर का केंद्र बना रहे हैं। समय रहते सचेत होना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीके में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव जरूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से गरीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम गरीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हकीकत का। हालांकि यह देखना बाकी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने खुद को पार्टी विद डिफरेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षो में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है। लोकतंत्र में मतदाताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव के अवसर पर राजनीतिक दलों की परख करें। झूठों एवं दुष्टों की एकजुटता ही जगत में कष्टों की वजह है एवं लोकतंत्र को कमजोर करने का बड़ा कारण है। जब तक ईमानदार एकजुट नहीं होंगे, तब तक जगत की कोई समस्या हल नहीं होगी। और ईमानदारों का एकजुट न होना दुष्टों एवं झूठों का असली बल है। कभी-कभी ऊंचा उठने, सत्ता पाने और भौतिक उपलब्धियों की महत्वाकांक्षा राष्ट्र को यह सोचने-समझने का मौका ही नहीं देती कि कुछ पाने के लिए उसने कितना खो दिया? और जब यह सोचने का मौका मिलता है तब पता चलता है कि वक्त बहुत आगे निकल गया और तब राष्ट्र अनिर्णय के ऊहापोह में दिग्भ्रमित हो जाता है। इस चुनाव को इस विम्बना से बचाना है।

(ये लेखक के विचार हैं)

ईरानी राष्ट्रपति के इंतकाल का असर

दिनकर प्रकाश श्रीवास्तव,
पूर्व राजदूत, ईरान

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन सहित नौ लोगों की मौत दुखद है। जिस तरह से दुनिया के कोने-कोने से शोक-संवेदनाएं आ रही हैं, उनसे तो यही पता चलता है कि अपने पांच दशकों के सार्वजनिक जीवन में इब्राहिम रईसी काफी प्रभावशाली रहे। यह सही है कि उनका बड़ा योगदान न्यायपालिका के क्षेत्र में रहा, खासतौर से पिछली सदी के 80 के दशक में, जब वह तेहरान के उप-अभियोजक और अभियोजक बने। मगर बाद में उन्होंने अस्तान कुद्स रजावी के मुख्य संचालक की जिम्मेदारी भी बखूबी संभाली। अस्तान कुद्स रजावी एक तरह का ट्रस्ट है, जो ईरान के पवित्र शहर मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह का प्रबंधन करता है। यह दरगाह शिया संप्रदाय के लोगों के लिए काफी अहमियत रखती है। उल्लेखनीय है कि मशहद रईसी का जन्मस्थान भी है।

रईसी ने 2017 का चुनाव भी लड़ा था, लेकिन तब वह हार गए थे। 2021 में उन्हें जीत मिली और वह ईरान के राष्ट्रपति बने। बीते कुछ वर्षों में ईरान अगर उन्नति कर सका और इराक युद्ध से उबरकर एक स्थिर देश बन सका, तो इसमें रईसी का बड़ा योगदान माना जाता है। ऐसे में, सवाल यही है कि अब आगे ईरान का क्या होगा? हालांकि, अच्छी बात यही है कि ईरान का लोकतंत्र काफी परिपक्व है और वहां व्यक्ति-विशेष के रहने या न रहने से खास प्रभाव नहीं पड़ता। वहां राष्ट्रपति का पद भले अहम है, मगर 'चेक ऐंड बैलेंस', यानी संतुलन बनाने वाली व्यवस्थाएं काफी कारगर हैं, इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि रईसी के न रहने से ईरान की नीतियां प्रभावित होंगी।

पश्चिमी मीडिया ने भले ईरान की एक खास छवि बना दी है, लेकिन वास्तव में यह एक स्थिर मुल्क है और यहां का नेतृत्व काफी सुलझा हुआ रहा है। यह कितना जिम्मेदार देश है, इसका एहसास इससे भी होता है कि इसने जो परमाणु समझौता किया था और जिससे अमेरिका खुद बाहर निकल आया, उसे सुरक्षा परिषद के देशों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी सराहा था। रईसी के कार्यकाल में ही ईरान शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बना। ईरान ने क्षेत्रीय मसलों को सुलझाने में भी काफी मदद की है और अफगानिस्तान में इसने जो काम किया है, उसका नतीजा हमें पिछले दिनों देखने को मिला, जब उसके साथ चाबहार समझौता हो सका।

हां, उसकी घरेलू राजनीति कुछ हद तक अस्त-व्यस्त रही, लेकिन इसकी वजह यह है कि ईरान की अर्थव्यवस्था काफी हद तक तेल पर निर्भर है। 2013-14 तक तेल के दामों में काफी वृद्धि हुई थी, जिससे तेहरान की आमदनी बनी रही, जबकि उस पर प्रतिबंध भी लगा हुआ था। मगर 2014 के बाद तेल के दाम घट गए, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। रही सही कसर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में पूरी कर दी, जब वह उस समझौते से बाहर निकल गए, जो बराक ओबामा के कार्यकाल में किए गए थे। इससे ईरानी अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ा, फिर भी उसकी सियासत बहुत अस्थिर नहीं हुई।

यही कारण है कि रईसी के जाने के बाद भी ईरान में स्थिरता बने रहने की संभावना अधिक जताई जा रही है। विशेषकर भू-राजनीति के मोर्चे पर इसलिए भी भरोसा ज्यादा होता है, क्योंकि ईरान ने अब तक काफी परिपक्वता दिखाई है। दरअसल, इसकी भू-राजनीति तीन पहलुओं में सिमटी हुई है। पहला पहलू अफगानिस्तान है, जो इसके पूर्व में स्थित है। ईरान एक शिया बहुल राष्ट्र है, जबकि तालिबान एक सुन्नी गुट। दोनों में मतभेद जरूर रहे हैं, लेकिन अफगानिस्तान के नव-निर्माण में ईरान की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के साथ ईरान की नोक-झोंक की वजह भी यही है। यहां तक कि हिन्दुस्तान के समान ईरान ने भी पाकिस्तानी आतंकियों को खूब झेला है। भारत में यह कई लोगों को पता नहीं होगा कि पुलवामा घटना से ठीक एक दिन पहले ईरान में भी इसी तरह फौजियों पर हमला किया गया था, जिसमें ईरानी फौज के 27 जवान शहीद हो गए थे। अभी चार महीने पहले भी जब ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मिसाइल दागे थे, तब दोनों देशों के बीच तनातनी बढ़ गई थी। मतलब साफ है, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को लेकर हमारी और ईरान की नीतियों में काफी समानता है। उसका यह रुख यूं ही बना रह सकता है।

दूसरा पहलू गाजा है, जो ईरान के पश्चिम में स्थित है। फलस्तीन की समस्या 1948 से चल रही है और 1979 तक ईरान व इजरायल के संबंध बहुत अच्छे थे। इसका अर्थ है कि ईरान और इजरायल के मौजूदा तनातनी का कारण गाजा नहीं है, क्योंकि यह समस्या तो बरसों पुरानी है। गाजा मसले का हल इजरायल के नजरिये से उसके बंधकों की रिहाई और फलस्तीन के नजरिये से युद्ध विराम से निकल सकता है। इन दोनों में ईरान की शायद ही कोई भूमिका हो सकती है।

यही बात तीसरे पहलू, यानी हूती समस्या के बारे में कही जा सकती है, क्योंकि हूतियों ने तब हमले शुरू किए, जब उनका सऊदी अरब से झगड़ा हुआ। जबकि, ईरान के खाड़ी देशों के साथ अच्छे रिश्ते हैं। ईरान ने सऊदी अरब के साथ अपने संबंध रईसी के कार्यकाल में काफी सुधारे हैं। इसका बड़ा असर तेल के दामों पर भी पड़ा है।

रही बात अमेरिका से रिश्ते की, तो यह बहुत कुछ अमेरिका की नीतियों पर निर्भर करेगा। मगर माना यही जा रहा है कि चूंकि इस वर्ष वहां राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं, इसलिए चुनावी वर्ष में शायद ही कोई नेता अमेरिकी नीतियों में बदलाव का जोखिम उठाना चाहेगा। भारत को लेकर भी ठीक इसी तरह की बात कही जा सकती है। भारत और ईरान का रिश्ता वर्षों पुराना है और दोनों देशों में नीति-नियंता काफी परिपक्व हैं। चाबहार समझौता बेशक रईसी साहब के कार्यकाल में हुआ, लेकिन इसको लेकर चर्चाएं साल 2012 से ही शुरू हो गई थीं और 2015 में हमने इस बाबत एक समझौता भी किया था। जो जुड़ाव दोनों देशों में बना है, वह इस एक हादसे की भेंट नहीं चढ़ सकता।

स्पष्ट है, ईरान स्थिरता का पक्षधर रहा है। बतौर राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने इसे आगे बढ़ाने का ही काम किया था। ऐसे में, उनका न रहना दुखद जरूर है, पर ईरान की व्यक्ति-विशेष की राजनीति से जिस तरह की दूरी है, वहां की राजनीतिक संस्कृति पूर्ववत बनी रहेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जल जगार के तहत निकाली गई नवागांव और अंवरी में जागरूकता रैली

धमतरी। कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में भूजल स्तर में सुधार लाने के लिए आगामी 15 जून तक जल जगार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जल शक्ति अभियान के तहत आज कुरूद विकासखण्ड के ग्राम नवागांव (थुहा) और अंवरी में, तालाब, नाली, गाँव की साफ–सफ़ाई की गई। साथ ही जल संरक्षण के संबंध में ग्रामीणों द्वारा रैली निकाली गई और नारा लेखन किया गया। इसके अलावा जल को संरक्षित करने ग्रामीणों ने शपथ भी ली। शपथ में कहा गया कि हम पानी बचाने और उसके सही इस्तेमाल, पानी की हर बूंद का ख्याल रखेंगे, ''कैच द रेन'' अभियान को बढ़ावा देंगे, पानी को अनमोल संपदा मानेंगे और इसका सही इस्तेमाल करेंगे., हम अपने परिवार, पड़ोसियों और अधिकारियों को भी पानी का सही इस्तेमाल करने और उसे बर्बाद न करने के लिए प्रेरित करेंगे, यह ग्रह हमारा है और हम ही इसे बचा सकते हैं और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। इस मौके पर उक्त ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोज़गार सहायक, स्व सहायता समूह की महिलाएँ और ग्रामीण उपस्थित हुये।

समितियों से शत प्रतिशत धान का उठाव करें सुनिश्चित : कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खाद्य,सहकारिता,नान एवं मार्कफेड विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में जिले के समितियों में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का मिलरों द्वारा उठाव की जानकारी ली। जिन समितियों से शत प्रतिशत धान का उठाव नही हुआ है, उनके कारणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने बचे हुए समितियों से शत प्रतिशत धान का उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए उन्होंने प्राथमिकता के साथ इस कार्य को संपादित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने एफसीआई और नान में अरवा और उसना चावल जमा करने की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। खाद्य विभाग द्वारा किए जा रहे राशन कार्डों के ई केवाईसी की जानकारी लेकर बचे हुए लोगों का ई केवाईसी कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने खाद्य विभाग से जिले के शासकीय राशन दुकानों में खाद्यान्न भंडारण और वितरण की भी जानकारी ली। उन्होंने भंडारण और वितरण तय समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर : जूनियर वर्ग के बालक-बालिका ले रहे हैं प्रशिक्षण

बालोद। जिले में चल रहे जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में जूनियर वर्ग के बालक–बालिका खेल का प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्पोर्ट्स ग्राउण्ड में विभिन्न खेलों के बेहतर प्रशिक्षण हेतु स्पोर्ट्स किट की भी पूरी व्यवस्था की गई है। जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में खिलाड़ियों के बेहतर सेहत हेतु उन्हें गुड़ एवं चना का भी वितरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले के खिलाड़ियों को खेलविधा से परिचय कराने, खेल के तकनिकी ज्ञान से अवगत कराने एवं उनके खेल कौशल को निखारने हेतु 21 दिवसीय आयोजन 13 मई से 02 जून तक किया जा रहा है। जिसमे फुटबॉल, मार्शल आर्ट जु–जित्सु, ताईकाव्डो, एथलेटिक्स, कलियारी पट्ठू, भारोत्तोलन, हॉकी, कबड्डी और क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आरटीई : प्रथम चरण में 16036 विद्यार्थी निजी स्कूलों में दाखिले के लिए चयनित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम–2009 (आरटीई) अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए निजी स्कूलों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन लॉटरी की प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई है।

संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में संचालित 6 हजार 554 निजी विद्यालयों के प्रारंभिक कक्षा में कुल आरक्षित 52 हजार 872 सीटों के विरूद्ध प्रवेश के लिए एक लाख 22 हजार 270 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण में आज 16 हजार 036 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। प्रथम चरण में 20 मई को संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा निजी विद्यालय संगठन, पालकों एवं विभिन्न मीडिया के समक्ष रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, कवर्धा, जशपुर और जगदलपुर जिलों की लॉटरी निकाली गई है। इनमें रायपुर में 5 हजार 126 आरक्षित सीटों के विरूद्ध 4 हजार 655, दुर्ग में 4 हजार 293 सीटों के विरूद्ध 3 हजार 462, बिलासपुर में 4 हजार 558 सीटों के विरूद्ध 3 हजार 609, राजनांदगांव में एक हजार 703 सीटों के विरूद्ध एक हजार 471, कवर्धा में एक हजार 351 सीटों के विरूद्ध एक हजार 242, जशपुर में एक हजार 252 सीटों के विरूद्ध 895 और जगदलपुर में 761 सीटों के विरूद्ध 702 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

चयनित विद्यार्थियों को उनके मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा। इसके बाद इन विद्यार्थियों को एक जून से 30 जून के मध्य चयनित विद्यालयों में प्रवेश लेना होगा। विद्यार्थियों के चयन के लिए की जाने वाली ऑनलाईन लॉटरी की प्रक्रिया पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत एवं मानव हस्तक्षेप रहित प्रक्रिया है। शेष बची सीटों पर आवेदकों से पुनः आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया की जाएगी। इसके लिए एक जुलाई से 8 जुलाई तक निर्धारित है। द्वितीय चरण के लॉटरी की प्रक्रिया 17 जुलाई से 20 जुलाई के मध्य की जाएगी।

जल संरक्षण संवर्धन से संबंधित कार्यों और प्रयासों में लाएं तेजी : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में भू-जल संरक्षण से जुड़े विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुरूचि सिंह बैठक में उपस्थित थी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जल संकट के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण व संवर्धन के प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से बड़े किसान समूह को धान के बदले अन्य फसलों के लाभ, पानी की बचत, व्यय में कमी तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि के संबंध में जानकारी देने के लिए संगोष्ठी का आयोजन कराने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण के लिए व्यवहार परिवर्तन जैसे विषयों पर ग्राम पंचायतों और किसानों से चर्चा किया जाना अनिवार्य है ताकि वे जल स्तर की स्थिति और समय के महत्व को समझ सकें। इस अवसर पर जिले में किये जा रहे जल संवर्धन संरक्षण के कार्यों के संबंध में विस्तृत प्रजेंटेशन प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ ग्राउंड वाटर बोर्ड के उच्च अधिकारियों से चर्चा की गई।

सीईओ सिंह ने कहा कि जिले के सभी कार्य एजेंसियों के साथ आगामी एक सप्ताह के भीतर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन कर जिले में नवीन तकनीक योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाए। जिला पंचायत एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं तकनीकी परिषद के अधिकारियों के मध्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विज्ञान एवं तकनीकी परिषद के उच्च अधिकारियों को जिले में चल रहे जल संरक्षण संवर्धन की पद्धति से तैयार की गई कार्ययोजना एवं प्रयासों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सदस्यों द्वारा तकनीक को सही बताते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा जल्द ही जिले के क्षेत्र में चल रहे कार्यों के क्रियान्वयन के संबंध में निरीक्षण हेतु आमंत्रण स्वीकार किया। इस अवसर पर कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा, मत्स्य, जिला पंचायत, जल संसाधन, नाबार्ड सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा जनपदों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की सड़क निर्माण विभागों के कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में सड़क निर्माण कार्य से जुड़े विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले में स्वीकृत, प्रगतिरत, पूर्ण तथा अप्रारंभ कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जिले में प्रगतिरत सभी सड़क निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तायुक्त ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में लोक निर्माण विभाग, एडीबी, नेशनल हाईवे, पीएमजीएसवाय आदि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में चन्द्रवाल ने विभागवार जिले में प्रगतिरत सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में चन्द्रवाल ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सड़क, भवन तथा मरम्मत के कार्यों की जानकारी तथा सभी प्रगतिरत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर चन्द्रवाल ने राष्ट्रीय राज्य मार्ग के अधिकारियों से जिले में गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग में चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी ली। इसके अंतर्गत उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग में निर्माणाधीन कार्यों के पूरा होने की अवधि की जानकारी लेते हुए इसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

लंबित प्रकरणों का समय सीमा में करे निराकरण - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर–चांपा। कलेक्टर छिकारा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ध्वनि विस्तारक यंत्रों का बिना अनुमति के अनधिकृत रूप से संचालन करने वालों के विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। उन्होंने जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को रोकने के निर्देश देते हुए कहा शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण को शीघ्र हटाने की कार्रवाई करें।

कलेक्टर ने कहा कि गर्मियों में जल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें एवं जिले में पानी की समस्या को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो इसके लिए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने दिव्यांग छात्र–छात्राओं का दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों से समन्वय कर दिव्यांग छात्रों का चिन्हांकन कर प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने आगामी खरीफ फसल को ध्यान में रखते हुए जिले में पर्याप्त खाद–बीज भंडारण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने मृत व्यक्तियों के नाम राशन कार्ड से हटाने के लिए सभी जनपद सीईओ व सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, जिला पंचायत सीईओ गोकुल कुमार रावटे, अपर कलेक्टर लवीना पांडेय, संयुक्त कलेक्टर निशा नेताम मड़ावी, संयुक्त कलेक्टर ममता यादव, सर्व एसडीएम सहित सभी संबंधित अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक एनक्यूएएस का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

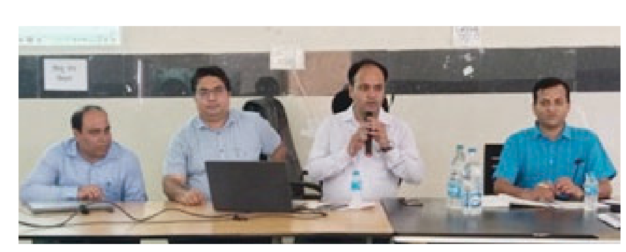

सारंगढ़–बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही के मार्गदर्शन में जिले के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) प्रतिभागी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों, ग्रामीण चिकित्सा सहायकों, स्टॉफ नर्स, सीएचओ एवं आरएचओ का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायगढ़ के स्थानीय कार्यालय में कार्यरत डॉ राजेश मिश्रा मूल्यांकनकर्ता के द्वारा प्रशिक्षण दी गई। मूल्यांकन के प्रथम चरण में जो कमियां पाई गई थी उन्हें 31 मई 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र के मूल्यांकन चेक लिस्ट का विस्तृत प्रशिक्षण देकर चेक लिस्ट अनुसार तैयारी करने, समस्त रिकॉर्ड अप टू डेट रखने के साथ स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली सेवाओं में गुणवत्ता लाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही ने बताया कि एनक्यूएएस स्वास्थ्य केंद्रों के गुणवत्ता का राष्ट्रीय मानक है । जिले के 17 स्वास्थ्य केंद्र जिला स्तरीय मूल्यांकन के द्वारा 70 प्रतिशत अंक अर्जित कर राज्य स्तरीय मूल्यांकन के लिए नामित हुए हैं । अच्छे परिणाम के प्रत्याशा में आज राज्य स्तरीय मूल्यांकन टीम के द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित की गई ।

राज्य टीम के प्रथम भ्रमण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनकबीरा, गोपालपुर और उप स्वास्थ्य केंद्र बेलादूला की प्रशंसा की गई । 20 जून से पूर्व होने वाली राज्य स्तरीय मूल्यांकन के लिए प्रतिभागी स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारियों को आवश्यक तैयारी के निर्देश दिए गए हैं।

हमारी प्राथमिकता जिले के ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों को एन क्यू ए एस सर्टिफिकेशन कराना है। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार, के पी गोस्वामी जिला सलाहकार एन क्यू ए एस, प्रतिभागी स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, स्टाफ नर्स, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक उपस्थित थे।

जिले के स्कूलों में हो रहा 9 दिवसीय समर कैंप का आयोजन

बच्चों ने किया एक्सपोजर विजिट के तहत बैंक, रेलवे स्टेशन, पोस्ट ऑफिस, अस्पताल का भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में जिले में 09 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए 20 से 30 मई की तिथि निर्धारित की गई है, प्रतिदिवस के लिये एक अलग थीम निर्धारित कर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये है।

जिला नोडल भुवनेश्वर पटेल ने बताया कि 09 दिवसीय विशेष समर कैंप में आज प्रथम दिवस अनुसार निर्धारित एक्स्पोजर विजिट के अंतर्गत रायगढ़ जिले के हाई स्कूल चांदमारी के छात्र–छात्राओं को रेलवे स्टेशन रायगढ़, संकुल केंद्र चक्रधर नगर रायगढ़ के छात्र–छात्राओं को एसबीआई रायगढ़ एटीएम, संकुल केंद्र तरकेला के छात्र–छात्राओं को पोस्ट ऑफिस रायगढ़, संकुल केंद्र पतरापाली के छात्र–छात्राओं को रेलवे स्टेशन कोतरलिया का एक्सपोजर विजिट, सेजेस लैलूंगा के छात्रों को एसबीआई एटीएम, राजस्व कार्यालय, मदनपुर के छात्रों को एटीएम, तुरेकेला के छात्रों को झाराडीही रेलवे स्टेशन, सराईपाली संकुल के बच्चों को पोस्ट ऑफिस का एक्सपोजर विजिट कराया गया। इस तरह जिले के अन्य स्कूलों के द्वारा भी पास के इस तरह के संस्थानों का विजिट कराते हुए, इनके विभिन्न कार्य प्रणाली से छात्र–छात्राओं को प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराया गया। साथ ही जिले के अन्य संकुल केन्द्रों के प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूलों में एक्सपोजर विजिट के साथ साथ योग, पेंटिंग, मैथ्स गतिविधियों, संगीत, खेलकूद, संगीत शिक्षा की विभिन्न गतिविधियां तथा विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम कराए गए।

आगामी निर्धारित दिवसों में विशेष समर कैंप में कैरियर गाइडेंस का आयोजन सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में किया जाएगा। कैरियर गाइडेंस का जिला स्तरीय कार्यक्रम सृजन सभा कक्ष में आयोजित किया जायेगा। जिसके अंतर्गत प्रोफेशनल कैरियर काउंसलर द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित कैरियर काउंसलिंग दी जाएगी। जिसमें आगामी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की सटीक तैयारियों, विभिन्न परीक्षाओं के अंतर्गत आने वाले विषयों के सही चयन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

एक्सपोजर विजिट के अंतर्गत 21 मई 2024 को रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के चयनित बच्चों को जिंदल पॉवर एवं स्टील प्लांट पतरापाली का भ्रमण कराया जायेगा ताकि बच्चे को प्लांट की गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से जानने का अवसर मिलेगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

26 मई को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन

रायपुर (ए.)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा 26 मई को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन करने जा रही है।यह मॉक टेस्ट ऑफ लाइन (पेपर पेन मोड में OMR sheet पर) होगा,जिसके लिए इच्छुक युवाओं को 24 मई तक google form में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफलाइन मॉक टेस्ट का आयोजन किया जा रहा हैद्य मॉक टेस्ट का प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेज़ी दोनो भाषा में होगा। जिला प्रशासन द्वारा मॉक टेस्ट के बाद प्रश्नों के विस्तृत उत्तर भी दिया जाएगा साथ ही प्रथम 3 स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। मॉक टेस्ट में छत्तीसगढ़ के किसी भी जिले के युवा शामिल हो सकते हैं । युवाओं की संख्या के आधार पर टेस्ट के लिए स्थान और समय का निर्धारण किया जाएगा जिसकी सूचना प्रतिभागियों को उनके मोबाइल नंबर पर तथा नालंदा लाइब्रेरी, सेंट्रल लाइब्रेरी और तक्षशिला लाइब्रेरी सूचना पटल पर दिया जाएगा।

छग की योगा टीम ने नेपाल में जीता गोल्ड मैडल, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर (ए.)। इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में गोल्ड मैडल हासिल करने

वाली छत्तीसगढ़ की योग टीम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। श्री साय ने कहा कि योग टीम के गोल्ड मैडल हासिल करना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, उन्होने टीम के सदस्यों को अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा ने भी छत्तीसगढ़ की योग टीम की प्रदर्शन की सराहना करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि इस महीने के 9 से 12 मई को नेपाल में आयोजित हुए इंडो-नेपाल योगा कॉम्पीटीशन में छत्तीसगढ़ के 10 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगीता में टीम को गोल्ड मैडल से नवाजा गया है। इस टीम के कोच ज्योति दीपक कुंभारे हैं। योगा टीम में दिव्या जैन, प्रीत साव, पुष्पा साव, धमेश, छाया जैन, हेमलता, हर्षा, क्षमता शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दवाओं की कमी बनी हुई है

राजधानी में टीबी से बचाने नि:शुल्क टीका की बनेगी योजना

रायपुर (ए.)। टीबी पर नियंत्रण के लिए नि:शुल्क दवाओं की किल्लत अभी भी सामान्य नहीं हो पाई है और स्वास्थ्य विभाग वैक्सीन लगाने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय मंत्रालय के निर्देश पर जुलाई से इसकी शुरुआत करने के लिए मैदानी अमले को टीका लगाने की ट्रेनिंग देने का काम शुरू कर दिया गया है।

वैक्सीन की हितग्राहियों की पहचान के लिए लक्षण के आधार पर संदिग्ध वयस्कों की पहचान के लिए मितानिन की मदद से सर्वे किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इसे पूरा करने के लिए विभिन्न अड़चनें भी सामने आ रही हैं।

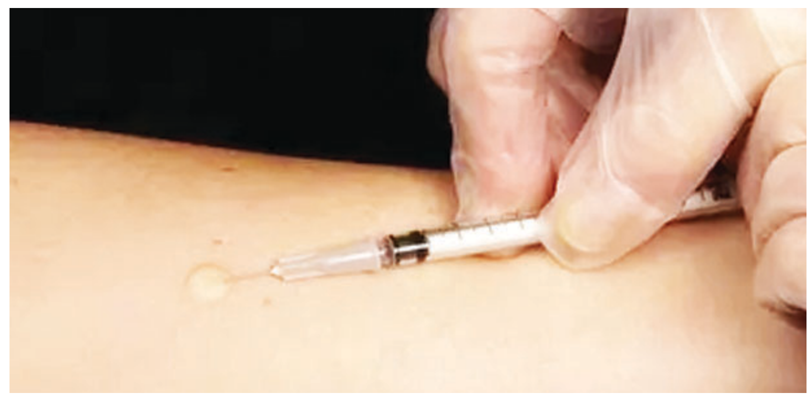

पिछले कुछ माह से छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दवाओं की कमी बनी हुई है। टीबी संक्रमित इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों के चक्कर लगा रहे हैं। दूसरी ओर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए नि:शुल्क वैक्सीन लगाने की योजना पर काम कर रहा है। हाईरिस्क की श्रेणी में आने वालों को बीसीजी के नि:शुल्क टीके लगाए जाएंगे। इसके लिए 18 साल से अधिक आयु वालों के बीच टीबी के लक्षण के आधार पर लोगों की पहचान की जाएगी। योजना के तहत अभी जिला और राज्य स्तर पर कर्मचारियों को ट्रेनिंग दिए जाने का काम पूरा किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि जुलाई से लगने वाला यह टीका क्षय रोग से लड़ने के लिए शरीर में प्रतिरोधक क्षमता विकसित करेगा।

बच्चों के साथ बड़ों को भी निशुल्क

अब तक बीसीजी का टीका सात साल तक की आयु के बच्चों को नि:शुल्क लगाया जाता रहा है। अब 18 साल से अधिक उम्र मगर हाईरिस्क की श्रेणी में आने वालों को यह टीका लगाया मुफ्त लगाया जाएगा। ऐसे लोगों की पहचान के डोर टू डोर सर्वे की जिम्मेदारी मितानिन को दी जाएगी। बच्चों की तरह वयस्कों को भी इसकी एक वैक्सीन लगेगी।

जिले में दो हजार मरीज

रायपुर जिले में अभी टीबी के दो हजार पंजीकृत मरीज हैं। विभागीय स्तर पर इन्हें निशुल्क दवा के साथ अन्य शासकीय सुविधा देने का दावा किया जाता है। इसके अलावा दुर्ग में डेढ़ और बिलासपुर में एक हजार मरीज हैं। विभागीय टीम टीबी मरीजों की पहचान के लिए समय-समय पर अभियान चलाती है।

26 को रायपुर पहुंचेंगे प्रदीप मिश्रा 27 मई से अमलेश्वर में कथा वाचन

26 मई को हटकेश्वर महादेवघाट से निकलेगी भव्य कलश यात्रा

रायपुर (ए.)। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा जी (सीहोर वाले) 26 मई की शाम को राजधानी रायपुर पहुंच रहे हैं जहां वे अमलेश्वर में 27 मई से 2 जून तक श्रद्धालुजनों को समर्पण विषय पर शिव महापुराण के माध्यम से कथा श्रवण कराएंगे। इसके लिए रविवार को आयोजकों ने कथा स्थल पर एक बैठक रखी जिसमें अलग अलग व्यवस्था को लेकर व्यवस्था समिति के साथ चर्चा की गई। 26 मई की शाम को 5 बजे हटकेश्वर महादेवघाट से कथा स्थल अमलेश्वर तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा का आयोजन पवन खंडेलवाल, विशाल खंडेलवाल एवं मोनू साहू के द्वारा संयुक्त रुप से किया जा रहा है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए विशाल खंडेलवाल ने बताया कि कथा की तैयारियों को लेकर रविवार को व्यवस्था समिति के साथ चर्चा की गई और उन्हें व्यवस्था कैसे करने हैं इस बारे में बारीकी से बताया गया। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद थे। उन्हें उम्मीद हैं कि पिछली बार की कथा से अधिक भीड़ यहां पर आएगी, लेकिन इस बार उन्हें बाहर बैठने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि जहां अंतरराष्ट्रीय कथावचक

प्रदीप मिश्रा का कथा होगा वह इलाका पूरे 55 एकड़ का है और लोगों के पार्किंग के लिए तीन जगहों पर व्यवस्था की गई है। वीआईपी पार्किंग कथा स्थल के पास और आम नागरिकों के लिए कथा स्थल की चंद दूरी पर की गई है।

चूंकि अमलेश्वर दुर्ग और रायपुर दोनों जिले की सीमाओं को जोड़ता हैं इसलिए दोनों ही जिलों के एसपी को इसकी जानकारी दे दी है। अप्रिय घटना न हो इसके लिए ग्रीन आर्मी के साथ पुलिस प्रशासन की टीम कथा स्थल पर निगरानी करते रहेगी साथ ही चार एम्बुलेंस और डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। आयोजकों को उम्मीद हैं कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग, भिलाई, पाटन, रायपुर, धरसींवा, राजनांदगांव, बिलासपुर के अलावा अन्य जिलों से श्रद्धालु तो पहुंचेंगे ही साथ ही आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे।

विशाल ने बताया कि प्रदीप मिश्रा 26 मई की शाम को राजधानी रायपुर पहुंचेंगे जहां आयोजक पवन खंडेलवाल, विशाल खंडेलवाल एवं मोनू साहू के परिवार के द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद हटकेश्वर महादेव घाट से कथा स्थल अमलेश्वर तक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 27 मई से 2 जून तक प्रदीप मिश्रा समर्पण विषय पर श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराएंगे।

गायत्री यज्ञ के साथ राधा-कृष्ण मंदिर स्थापित

रायपुर (ए.)। ट्रांसजेंडर के सरोना में स्थापित आवास स्थल गरिमा गृह प्रांगण में नवनिर्मित राधा-कृष्ण मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह विधिपत पूजा-अर्चना और गायत्री यज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने दीक्षा भी ली। छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति की संस्थापिका रवीना बरिहा एवं विद्या राजपूत ने बताया कि वैश्विक चैतन्य जागृति मिशन के तत्वावधान में लायंस क्लब, जलविहार कालोनी रायपुर और गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी रायपुर के सहयोग से सरोना स्थित गरिमा गृह में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न हुआ। गायत्री शक्तिपीठ के परिजनों ने विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न कराने के उपरांत तीन कुण्डीय गायत्री यज्ञ किया तथा श्रद्धालुओं को दीक्षा दिलाई। प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहूति व आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-संध्या व भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब, जिंदल स्टील के पदाधिकारियों और गायत्री परिवार के परिजनों सहित ट्रांसजेंडर समुदाय के अनेक सदस्य व श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

तीन दिवसीय मधुमेह रोग निवारण शिविर का हुआ समापन

योग से जीवन में और समाज में आता है अनुशासन

रायपुर (ए.)। योग आज हमारी भागती दौड़ती हुई जिंदगी का हिस्सा बन गया है । योग से जीवन में और समाज में अनुशासन आता है। योग द्वारा ही व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। योग की बात करें तो सबसे पहले दिमाग में भारतीय योग संस्थान का नाम ही पहले आता है।ये संस्थान देश भर में निशुल्क सेवाएं दे रहा है। इसी क्रम में कर्मा धाम, कृष्णा नगर में तीन दिवसीय मधुमेह रोग निवारण शिविर का अत्यंत उत्साहपूर्ण समापन हुआ।

इस शिविर में सूक्ष्म क्रियाएं, आसन, प्राणायाम, ध्यान ,यौगिक मुद्राओ और शुदि क्रियाओ के अभ्यास के साथ मधुमेह रोग पर जानकारी देते हुए, योग शिक्षकों द्वारा योग साधना कराई गई। विभिन्न आसन जैसे ताड़ासन, वक्रासन, सर्पासन, पादहस्तासन, जानुशिरासन, शलभासन, वज्रासन, सूर्य-नमस्कार, मंडुकासन, मरकटासन आदि का अभ्यास सोनी सर, डागा सर, अग्रवाल सर, साहू सर, कांति मैम, रिया मैम, सुदेशना मैम, वंदना मैम और किरण मैम के द्वारा करवाया गया। संदीप, रमा और धनेश्वरी का आसन प्रदर्शन सराहनीय रहा। अंत में शांति पाठ और राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

ठेके में ज्यादा कीमत पर बेच रहे हैं शराब

शहर के चार शराब दुकानों को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ की सरकारी शराब दुकानों पर तय कीमत से ज्यादा पैसे लेकर शराब बेचने के मामले में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है । विभाग राजधानी रायपुर की चार शराब दुकानों को ब्लैक लिस्ट करने जा रही है। इन चारों शराब दुकानों पर लोगों से ज्यादा पैसे लेकर शराब बेची जा रही थी।

दरअसल ओवर रेट पर लगाम लगाने की सरकारी कोशिश को लेकर एक निजी चैनल ने इन शराब दुकानों पर पहुंची तो वहां ऑन कैमरा, लोगों ने यह बताया कि शराब की तय रेट से कहीं ज्यादा पैसे लेकर शराब बेची जा रही है।

140 रुपए की शराब को 150 में बेच रहे हैं

इसके बाद आबकारी विभाग की टीम शहर के अलग-अलग दुकानों पर पहुंची और सैंपल परचेस किया। सैंपल परचेसिंग में ओवर रेट की पुष्टि हो गई । आबकारी विभाग की टीम ने पाया कि 110 रुपए की शराब को 120 में और 140 रुपए की शराब को 150 में बेचा जा रहा है । यानी हर बोतल पर 10 से 20 रुपए ज्यादा वसूले जा रहे थे । इसके बाद विभाग ने पंडरी कचना, गोगांव, और उरला की शराब दुकानों को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मन को एकाग्र करने और ऊर्जा को सही दिशा देने में कारगर है ध्यान

किशोर बच्चों के लिए नि:शुल्क विपश्यना ध्यान शिविर दो जून से

रायपुर (ए.)। किशोर होते बच्चे ऊर्जा से भरे होते हैं और उनका मन बड़ा चंचल होता है। प्रतिस्पर्धा का तनाव भी आज बच्चों में अधिक है ऐसे में विपश्यना ध्यान बच्चों के मन को विचलन से बचाता है और एकाग्रता को बढ़ाता है।

इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए किशोरों के लिए आठ दिवसीय विपश्यान ध्यान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 2 से 10 जून तक आयोजित ये शिविर 15 से 19 वर्ष के किशोर और किशोरियों के लिए अलग-अलग आयोजित हैं। दुर्ग जिले के थनौद स्थित धम्मकेतु विपश्यना ध्यान केन्द्र में किशोरियों और बिलासपुर के भरारी स्थित धम्मगढ़ विपश्यना ध्यान केन्द्र में किशोरों के लिए ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विपश्यना ध्यान के शिविर नि:शुल्क आयोजित किए जाते हैं। शिविर में हिस्सा लेने हेतु पूर्व पंजीयन अनिवार्य है। इच्छुक प्रतिभागी इस लिंक पर https://www.dhamma.org/en/schedules/schketu,https://www.dhamma.org/en/schedules/schgarh जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

विपश्यना आचार्य डॉ. सीताराम साहू ने बताया कि इस शिविर में शामिल होने वाले बच्चों को मौन रहते हुए ध्यान का अभ्यास कराया जाता है। साथ ही बच्चों को कुछ शील (नियमों) का पालन करना होता है। किशोर बच्चे अपने जीवन में नया करने की चाह रखते हैं । उनके अंदर हो रहे बदलाव को कई बार समझ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में बच्चे अधिक आक्रामक और कई बार गुमसुम हो जाते हैं। इन्हीं बातों से निपटने के लिए किशोर बच्चों को विपश्यना ध्यान के लिए प्रेरित किया जाता है।आचार्य डॉ साहू ने बताया कि ग्रीष्म अवकाश को देखते हुए बच्चों के लिए बाल शिविरों का भी आयोजन किया गया था। इसी कड़ी में अब किशोरों के लिए ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि विपश्यना ध्यान पद्धति से जीवन सात्विक होता है तथा व्यक्ति मानसिक रूप से अधिक मजबूत होता है। यह व्यक्ति के साथ ही समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक है। आनापान के माध्यम से व्यक्ति अपने श्वास को देखते हुए अपने अंदर हो रहे बदलावों को जानता है। नियमित अभ्यास के बाद सबसे पहले व्यक्ति को बेचैनी, घबराहट , भय जैसी मानसिक परेशानी के बचाव होता है। समाज में फैल रही विकृतियों से बचने में विपश्यना ध्यान एक कारगर पद्धति है।

मानसून के संकेत, किसानों ने शुरू की खरीफ फसल की तैयारी

रायपुर (ए.)। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ में मानसून समय पर आ रहा है। बीते वर्ष भी यह घोषणा सच साबित हुई थी। इसी का असर कहना होगा कि जिले में खेतीहर किसानों के द्वारा अपने खेतों में खरीफ सीजन की फसल के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। वहीं सरकारी समितियों में उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध करा लिया गया है।

जिले में एक लाख से ज्यादा किसान खेती-बाड़ी के काम से जुड़े हुए हैं। जबकि मुख्य फसल धान लेने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले वर्ष 50 हजार 244 किसानों ने अपना पंजीकरण कराया था। जबकि लगभग इतनी ही संख्या सीमांत श्रेणी के होने और अपने इलाके से उपार्जन केंद्रों की दूरी ज्यादा होने के कारण धान बेचने में रूचि नहीं देती है। जानकारी मिली है कि इस वर्ष मानसून के अनुकूल होने के संकेत ने किसानों को सतर्क किया है और वे अभी से मौजूदा सत्र की खेती-बाड़ी को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। जिले में खेती का रकबा जिन क्षेत्रों में मौजूद हैं वहां खेतों में गतिविधियां नजर आ रही है। इसमें तकनीकी और श्रमशक्ति दोनों का उपयोग किया जा रहा है। इसके पीछे लोगों के अपने-अपने तर्क हैं लेकिन कुल मिलाकर दोनों ही श्रेणियां इस बात को लेकर गंभीर हैं कि मानसून के आने से पहले तक उनके उत्पादन क्षेत्र में प्राथमिक तैयारियां पूरी हो जाना चाहिए। वैसे भी अंचल की परंपरा के अंतर्गत अक्षय तृतीया को इसका नेग पूरा कर लिया गया है। अच्छी फसल के निमित्त इसे किया जाता है। कोरबा जिले में कृषि रकबे और किसानों की सुविधा के लिए सहकारी समितियों के स्तर से उर्वरक की उपलब्धता कराई जाएगी। इसके लिए हमारे पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध हो गया है। उठाव होना बाकी है।

जुबली टॉकीज में अपने किरदार के अटूट समर्पण से प्रभावित हैं खुशी दुबे

एक्ट्रेस खुशी दुबे अपकमिंग शो जुबली टॉकीज- शोहरत.शिद्दत.मोहब्बत में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने अपने किरदार शिवांगी सावंत के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि वह उसके अटूट समर्पण से प्रभावित हुईं। आशिकाना की एक्ट्रेस खुशी ने शिवांगी का किरदार निभाया है, जो ताकत और मजबूत इरादों वाली मॉडर्न लड़की है।

भूमिका के बारे में बात करते हुए, खुशी ने कहा, मैं इस शो को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो मैं हैरान रह गयी, और मुझे आशा है कि दर्शक इससे प्रभावित होंगे। संगम सिनेमा को पुनर्जीवित करने के अपने पैशन के साथ-साथ, शिवांगी की यात्रा अप्रत्याशित मोड़ों से भरी है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेगी। आखिरी बार आंख मिचोली में नजर आई एक्ट्रेस ने कहा, यह किरदार मेरे लिए एक नई चुनौती है और मैं खास तौर से शिवांगी के अपने परिवार और सपनों के प्रति उनके अटूट समर्पण से आकर्षित हुई हूं। यह शो महाराष्ट्र के एक छोटे शहर की रहने वाली शिवांगी की यात्रा को दर्शाता है। शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी पर होगा।

माता-पिता बने यामी गौतम और आदित्य धर

यामी गौतम और आदित्य धर ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है। फिल्म आर्टिकल 370 के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज शेयर की थी। वहीं अब यामी गौतम और आदित्य धर माता-पिता बन गए हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ इस खुशखबरी को शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने बच्चे के नाम का खुलासा भी कर दिया है। यामी गौतम कुछ दिनों पहले फिल्म आर्टिकल 370 में नजर आई थीं। फिल्म के प्रमोशन में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी के लिए खूब ध्यान खींचा था। वहीं, अब यामी गौतम ने अपने घर नन्हे मेहमान का स्वागत किया है। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की है।

यामी गौतम ने बेटे को दिया जन्म

यामी गौतम ने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर मां बनने की खुशखबरी दी है। एक्ट्रेस ने बताया कि वो एक बेटे की मां बनी हैं, जिसे उन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर यानी 10 मई को जन्म दिया है। इसके साथ ही यामी गौतम ने अपने बेटे के नाम का भी खुलासा कर दिया है।

खास है यामी के बेटे का नाम

यामी गौतम और आदित्य धर ने अपने बेटे का नाम 'वेदाविद' रखा है। कपल ने प्रेग्नेंसी पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में कहा, हम सूर्या हॉस्पिटल के शानदार डॉक्टर्स और स्टाफ के दिल से आभारी हैं। खासतौर पर डॉ. भूपेन्द्र अवस्थी और डॉ. रंजना धनु के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनकी वजह से ये खास दिन हमारी जिंदगी में आ सका।

पैरेंटहुड के खूबसूरत सफर पर यामी

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब हम माता-पिता बनने के इस खूबसूरत सफर पर निकल गए हैं और हम अपने बेटे के उज्ज्वल भविष्य की आशा करते हैं। हमें उम्मीद है कि हमारा बेटा हमारे पूरे परिवार के साथ-साथ हमारे प्यारे देश के लिए भी गौरव का प्रतीक बनेगा।

सेंसुअल लुक में बला की खूबसूरत दिखीं प्रज्ञा जैसवाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करते रहते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना अब तक की सबसे हॉट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का कातिलाना अवतार देखकर लोग एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा जैसवाल ने हाल ही में अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनके दीवाने हो गए हैं।

प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। प्रज्ञा जैसवाल अपने स्टनिंग और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स के कारण लाइमलाइट में रहती हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर के शर्ट लुक में शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर को स्टाइलिश लुक देकर और साथ ही डीप ब्राउन शेड लिप्सटिक लगा कर एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को बेहद बखूबी तरीके से निखारा है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट करती हैं तो वो सोशल मीडिया पर छा जाती हैं। साथ ही फैंस की नजरें उन पर से हट पाना मुश्किल हो जाता है। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

इश्क विश्क रिबाउंड का टीजर रिलीज, 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

आखिरकार फैंस का इंतजार खत्म हुआ और मेकर्स ने मोस्ट अवेटेड इश्क विश्क रिबाउंड का टीजर रिलीज कर दिया है। जो सभी को रोमांस, दोस्ती, धोखा और भरपूर एंटरटेनमेंट के साथ कॉलेज के दिनों की याद दिलाता है। इसकी स्टारकास्ट में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल लीड रोल प्ले कर रहे हैं। यह फिल्म 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इश्क विश्क रिबाउंड 2003 की हिट इश्क विश्क का सीक्वल है, जो शाहिद कपूर और अमृता राव की पहली बॉलीवुड फिल्म थी, जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। अपनी खूबसूरत लव स्टोरी के लिए मशहूर यह फिल्म लाखों लोगों को पसंद आई। लगभग दो दशकों के बाद इसका सीक्वल रिलीज होने जा रहा है। जिसमें ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन समेत जेन जेड एक्टर्स लीड रोल में हैं। जिसमें रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल शामिल हैं।

इस फिल्म में ऋतिक रोशन रोशन की बहन पश्मीना रोशन और जिबरान खान के बीच रोमांस देखने को मिल सकता है। आपको बता दें कि जिबरान खान वहीं हैं जिन्होंने फिल्म कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान के बेटे का रोल प्ले किया था। उनके अलावा इसमें रोहित सराफ और नैला ग्रेवाल भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

The Great Indian Kapil Sharma Show

हिस्सा नहीं बनने पर सुमोना चक्रवर्ती ने तोड़ी चुप्पी

सुमोना चक्रवर्ती जल्द ही खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 में नजर आएगी। इसके अलावा फैंस ने उन्हें द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो मिस किया। किस वजह से वो इस शो का हिस्सा नहीं बनी, इसपर एक्ट्रेस ने बात की।

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती को आज भी फैंस कपिल शर्मा के शो से जानते हैं। एक्ट्रेस ने कॉमेडी नाइट्स विद कपिल और द कपिल शर्मा शो में काम किया था। उनकी और कपिल शर्मा की ऑन-स्क्रीन जोड़ी फैंस को काफी भाती थी। हालांकि द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में वो नहीं दिखी, जिसके बाद फैंस काफी मायूस हो गए थे। हालांकि वो किस वजह से शो का हिस्सा नहीं बनी थी, इसपर उन्होंने जवाब दिया।

द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का हिस्सा क्यों नहीं बनी सुमोना

हालांकि द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो नेटफ्लिक्स पर आता है। सुमोना चक्रवर्ती जो काफी लंबे समय से कपिल शर्मा शो से जुड़ी है, इस बार कपिल शर्मा के शो में नजर नहीं आई। अब इसपर उन्होंने जवाब देते हुए पीटीआई से कहा कि, मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। जिस शो का मैं हिस्सा थी, जो दूसरे चैनल पर था, वह पिछले साल जुलाई में खत्म हो गया। तब से मैं अपनी यात्रा पर हूं, अपने काम कर रही हूं, नेटवर्किंग कर रही हूं और लोगों से मिल रही हूं।

सुमोना चक्रवर्ती ने फैंस को लेकर कही ये बात

सुमोना चक्रवर्ती ने फैंस से मिल रहे प्यार को लेकर कहा, मुझे पता है कि मेरे चाहने वालों ने मुझे शो में मिस किया है, मैंने उनके मैसेज देखे है। जैसे ही मैं घर से निकलती हूं, मेरे पड़ोसी कहते है, वो मुझे शो में देखना मिस करते है। यही बात आपको कुछ डिफरेंट करने के लिए मोटिवेट करती है। वहीं, सुमोना अगली बार रोहित शेट्टी के रियलिटी सो खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 में नजर आएंगी। बता दें कि एक्ट्रेस को कपिल शर्मा शो और अच्छे लगते हैं में नताशा के रोल के लिए फैंस बखूबी जानते हैं। उन्होंने 11 साल की उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था।

आप भी रोजाना सुबह चाय या दूध के साथ खाते हैं ब्रेड, तो हो जाएं सावधान, शरीर को हो सकते हैं ये नुकसान

अधिकतर लोगों की आदत होती है, वह रोजाना चाय के साथ ब्रेड का नाश्ता करते हैं। लेकिन रोजाना ब्रेड खाने से स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याएं हो सकती है। रोजाना ब्रेड खाने से सेहत को कई प्रकार के नुकसान हो सकते हैं। अधिकतर लोगों की आदत होती है, वह नाश्ते में रोजाना चाय या दूध के साथ ब्रेड खाते हैं। लेकिन रोजाना ब्रेड खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

अगर आप रोजाना ब्रेड खाते हैं, तो इससे पेट फूलना, गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्या होने लगती है। ब्रेड खाने से ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ सकता है और फिर गिर भी सकता है, जिससे आपको हमेशा थकान महसूस होगी। रोजाना ब्रेड खाने से आपका वजन तेजी से बढ़ सकता है, क्योंकि ब्रेड और दूध में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो काम चीनी वाला दूध पिए और साबुत अनाज की ब्रेड खाना शुरू करें।

बाजार में मिलने वाली ज्यादातर ब्रेड मैदा से बनी होती हैं, साथ ही इनमें हानिकारक केमिकल और प्रिजर्विटिव्स डाले जाते हैं। इन्हें पचाना काफी मुश्किल होता है, जिससे यह न सिर्फ पेट संबधी समस्याओं को जन्म देती हैं बल्कि वजन बढ़ाने में भी योगदान देती हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए चाय और ब्रेड का सेवन बहुत नुकसानदायक साबित हो सकता है। यह उनके ब्लड शुगर में स्पाइक का कारण बन सकता है और उनकी स्थिति को अधिक गंभीर बना सकता है। साथ ही यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी ट्रिगर करता है, जिससे डायबिटीज रोगियों की स्थिति खराब हो सकती है।

यह ब्लड प्रेशर रोगियों में बीपी के स्तर को अधिक बढ़ा सकता है। इसलिए ब्लड प्रेशर रोगियों को भूलकर भी सुबह चाय के साथ ब्रेड नहीं खानी चाहिए। इसके सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल से बाहर हो सकता है।

शरीर का अधिक वजन, डायबिटीज, हाई बीपी सभी हृदय रोगों के जोखिम कारक हैं। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में भी योगदान देता है। इस तरह यह न सिर्फ हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाता है, बल्कि लंबे समय में हार्ट फैलियर जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

छत्तीसगढ़ में बदलेगी नक्सल पुनर्वास नीति, लोकसभा चुनाव के बाद हो सकता है लागू, सीएम साय ने दिए संकेत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफलगातार मिल रही सफलता से सरकार काफी उत्साहित है। सुरक्षाबल नक्सलियों की मांद में घुसकर उनके हौसले पस्त कर रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकार की नीतियों के कारण नक्सली बैकफुट पर हैं। इसका असर यह है कि बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत काफी सुविधाएं दी जाती है। अब छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार जल्द ही नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव कर सकती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसके संकेत दिए हैं। संभावना है कि लोकसभा चुनाव के बाद नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव की घोषणा की जा सकती है।

दरअसल छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार नक्सल पुनर्वास नीति को और बेहतर बनाना चाहती है और इसके लिए नक्सल पुनर्वास नीति में बदलाव की संभावनाओं पर विचार कर रही है। मौजूदा समय में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत किराए का मकान दिया जाता है। साथ ही पुनर्वास के तहत दी जाने वाली नकद राशि, रोजगार, शिक्षा समेत अन्य सुविधाएं दी जाती है।

प्रदेश में संभावित बदलाव के तहत आत्मसमर्पितों नक्सलियों को निवास के लिए मनचाहे शहर या गांव का विकल्प दिया जा सकता है। पूरा परिवार रह सके ऐसा मकान, कौशल योजना के तहत रोजगार का प्रशिक्षण व रोजगार तथा स्वरोजगार चाहने वालों को कम ब्याज पर लोन दिया जा सकता है। इसके अलावा आत्मसमर्पित नक्सलियो के खिलाफदर्ज मामलों को कोर्ट में सुलझाने में पुलिस मदद करेगी।

वर्तमान में पुनर्वास नीति के तहत यह है प्रावधान

वर्तमान में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन के लिए 25 हजार रुपए नगद राशि देने का नियम है। नक्सल पीड़ित के समान ही आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुविधाएं देने का प्रावधान है। सक्रिय, पांच लाख या अधिक के इनामी नक्सली को आत्मसमर्पण पर 10 लाख की राशि पृथक से देने तथा समर्पित हथियार के बदले मुआवजा राशि का प्रावधान है। सरकार द्वारा यह राशि बैंक में सावधि जमा की जाती है और इसका ब्याज समर्पित नक्सली को मिलता है। तीन साल बाद नक्सलियों के आचरण को देखकर यह राशि दी जाती है। समर्पित नक्सली तीन वर्ष के भीतर खेती के लिए जमीन लेता है तो उसे दो एकड़ तक भूमि पर स्टांप ड्यूटी व पंजीयन शुल्क में पूर्ण छूट देने का भी प्रावधान है।

सीएम ने कहा डबल इंजन की सरकार का कमाल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा नक्सली मोर्चे पर मिल रही सफलता से उत्साहित हैं। राजधानी रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान सीएम साय ने कहा कि यह सब डबल इंजन सरकार की वजह से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल तीन से चार महीने में 112 नक्सली मारे गए हैं। इस दौरान लगभग पौने चार सौ नक्सलियो ने आत्मसमर्पण किया हैं। यही नहीं 153 नक्सली गिरफ्तार भी हुए हैं। धुर नक्सल क्षेत्रों में 28 कैंप खुले हैं। सुरक्षाबलों की सर्चिंग में 143 आईडी बरामद किए गए हैं। सीएम साय ने कहा कि यह सब हमारी सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता है। सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बहुत ही गंभीर है। तीन वर्ष के भीतर नक्सलियों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस रोडमैप को हरी झंडी दी है, उसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा आगे बढ़ा रहे हैं।

खास खबर

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही के मार्गदर्शन में जिले के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) प्रतिभागी स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारियों, ग्रामीण चिकित्सा सहायकों, स्टॉफनर्स, सीएचओ एवं आरएचओ का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायगढ़ के स्थानीय कार्यालय में कार्यरत डॉ राजेश मिश्रा मूल्यांकनकर्ता के द्वारा प्रशिक्षण दी गई। मूल्यांकन के प्रथम चरण में जो कमियां पाई गई थी उन्हें 31 मई 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्र के मूल्यांकन चेक लिस्ट का विस्तृत प्रशिक्षण देकर चेक लिस्ट अनुसार तैयारी करने, समस्त रिकॉर्ड अप टू डेट रखने के साथ स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली सेवाओं में गुणवत्ता लाने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधेश पाणिग्राही ने बताया कि एनक्यूएएस स्वास्थ्य केंद्रों के गुणवत्ता का राष्ट्रीय मानक है । जिले के 17 स्वास्थ्य केंद्र जिला स्तरीय मूल्यांकन के द्वारा 70 प्रतिशत अंक अर्जित कर राज्य स्तरीय मूल्यांकन के लिए नामित हुए हैं । अच्छे परिणाम के प्रत्याशा में आज राज्य स्तरीय मूल्यांकन टीम के द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित की गई । राज्य टीम के प्रथम भ्रमण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कनकबीरा, गोपालपुर और उप स्वास्थ्य केंद्र बेलादूला की प्रशंसा की गई ।

अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस को विभिन्न नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस 31 मई 2024 को जन सामान्य में धुम्रपान और तम्बाकू सेवन करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य धुम्रपान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति समाज में जन चेतना विकसित करना है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के समस्त जिलों में अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस पर नशामुक्ति के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे और लोगों को जागरूक किया जाएगा। नशामुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन शहर से लेकर ग्राम स्तर तक किया जाएगा। कार्यक्रमों में तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभाव पर चर्चा एवं उसके दुष्प्रभाव की जानकारी जनसमुदाय को दी जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से नशापान के दुष्प्रभावों की जानकारी, नशामुक्ति के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं, नशामुक्ति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशामुक्ति साहित्य का वितरण, नशामुक्ति प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर के माध्यम से सभी नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों के मुख्य नगर पालिक अधिकारियों एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन के जरिए लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया गया है।

जिले में जेईई एवं नीट की निःशुल्क कोचिंग सुविधा

सूरजपुर। जिले में जेईई एवं नीट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए निशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। जिसके लिए प्रवेश पंजीयन प्रारंभ 18 मई से 30 मई तक होना है। प्रवेश परीक्षा तिथि 08 जून एवं परिणाम की घोषणा 12 जून को किया जाएगा। यह सुविधा सक्षम सूरजपुर निशुल्क कोचिंग जिला प्रशासन की ओर से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा प्री मेडिकल टेस्ट (नीट) और प्री इंजीनियरिंग (आईआईटी, जेईई मेन्स, एडवांस) की कोचिंग दी जाएगी। यह कोचिंग सुविधा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा सूरजपुर में दी जाएगी। 20 मई तक कुल 18 छात्रों ने पंजीयन करवा लिया है। फॉर्म से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट पर देख सकते है।

अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण के लिए समाधान शिविर 22 को

कांकेर। राज्य शासन के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन आगामी बुधवार 22 मई को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से किया जाएगा। उक्त शिविर में अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का निराकरण मौके पर किया जाएगा। अपर कलेक्टर एस.अहिरवार ने बताया कि अनुकम्पा नियुक्ति हेतु विभिन्न विभागों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें स्कूल शिक्षा विभाग के 22, स्वास्थ्य विभाग के 04, राजस्व, पशु चिकित्सा, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, कृषि एवं आदिवासी विकास विभाग के 02-02 और वन विभाग का 01 आवेदन शामिल है। उक्त प्रकरणों के अलावा अनुकम्पा नियुक्ति हेतु यदि कोई पात्र अभ्यर्थी जो संबंधित पद की शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता रखता है, वह मौके पर उपस्थित होकर आवेदन कर सकता है।

हमारा जीवन अमूल्य है, बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित योग व प्राणायाम करना चाहिए : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर महोबे ने जिला कार्यालय परिसर में लगाएं गए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में बीपी एवं डायबिटीज की जांच कराई। कलेक्टर सहित जिले के सभी अधिकारी, जिला कार्यालय के कर्मचारियों ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया। कलेक्टर महोबे ने कहा कि हमारा जीवन अमूल्य है। हमे अपने जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए नियमित योग एवं प्राणायाम करना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहते हुए जागरूक होकर सभी को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यालीन कार्य से आए आम नागरिकों ने भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जनपद कार्यालय कवर्धा एवं जिले में संचालित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 4 हजार 828 व्यक्तियों का जांच किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय व शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम का पूर्ण सहयोग रहा।

विश्व उच्चरक्तचाप दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल.राज के निर्देशानुसार एवं सिविल सर्जन डॉ. केशव ध्रुव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अनुपमा तिवारी के मार्गदर्शन में शासकीय कार्यालयों, जिला एवं जनपद पंचायत, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सभी स्वास्थ्य केन्द्र सहित स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्टारेट परिसर में आज शिविर लगाकर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों का स्वास्थ्य जांच किया गया। शिविर में बीपी एवं शुगर जांच सहित अन्य जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों को नि:शुल्क दवाईयों का भी वितरण किया गया। जिला अस्पताल से आए डॉक्टरों ने उच्च रक्तचाप मिलने पर मरीजों को वजन संतुलित रखने, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार दवाई लेने, शारीरिक गतिविधियों में वृद्धि, शराब एवं तम्बाकू सेवन नहीं करने, संतुलित आहार, फल व सब्जियों का भरपूर सेवन करने, तनाव से बचने, रक्तचाप की नियमित जांच कराने एवं तेल, घी एवं नमक का सेवन कम करने की सलाह दी गई।

सीएमएचओ डॉ. राज ने बताया कि जिला पंचायत में सीईओ (जिला पंचायत) के साथ-साथ कुल 55 कर्मचारियों ने अपना जांच करवाया, जिसमें से 16 शुगर एवं 9 बीपी के संभावित मरीज मिले। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कुल 41 कर्मचारियों का जांच किया गया, जिसमें 4 शुगर एवं 3 बीपी, जनपद पंचायत कवर्धा में कुल 30 कर्मचारियों का जांच किया गया, जिसमें से 2 शुगर व 8 बीपी और आज जिला कार्यालय में कुल 111 अधिकारी-कर्मचारियों का बीपी, शुगर जांच किया गया जिसमें से 11 शुगर एवं 10 बीपी के संभावित मरीज मिले।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में आज 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ कलेक्टर रणवीर शर्मा की उपस्थिति में हुआ 7 इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व खेल एवं युवा कल्याण प्रभारी पिंकी मनहर उपस्थित थी। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण मे क्रिकेट, कराते, खो खो, योग व फुटबॉल का कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अपने उद्बोधन मे बताया कि वे जब से बेमेतरा मे ज्वाइन किये उसके दूसरे दिन से ही नियमित रूप से स्टेडियम आ रहें हैं, उन्होंने बेमेतरा के नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि वे भी आए और स्टेडियम का सदुपयोग करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर मे स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।खेल को खेल भावना से खेले, खेल मे अपार संभावनाये है।उन्होंने सभी बच्चो को मोबाइल से दूरी बनाने को कहा और उन्हें खूब खेलकर अपनी क्षमता बढ़ाने प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों में खेल के प्रति जोश लाने कविता कही कि दम है तो निकलो आगे, मगर अपने आप से, आज थोड़ा, कल ज्यादा और उससे ज्यादा कविता के माध्यम से जोश भरा 7 उन्होंने बच्चों से कहा की अभी आपके पास समय है आप अभी विद्यार्थी है, ज्यादा नही तो कम से कम 1 घंटे आप मैदान मे दे और खेल से जुड़े रहे।

इस अवसर पर एसडीएम पिंकी मनहर ने अपने उद्बोधन मे सभी बच्चो से अपील कर प्रशिक्षण का लाभ लेने की बात कही और आगामी प्रतियोगिताओ में हिस्सा लेकर अपना और अपने जिले का नाम रोशन करने को कहा 7 कराते कोच अजय वर्मा ने कराते खिलाडियों से कराते का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। खेल प्रभारी पिंकी मनहर ने सभी प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण सामग्री वितरित की।

लंबित प्रकरणों का समय सीमा में करे निराकरण-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर छिकारा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ध्वनि विस्तारक यंत्रों का बिना अनुमति के अनधिकृत रूप से संचालन करने वालों के विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। उन्होंने जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को रोकने के निर्देश देते हुए कहा शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण को शीघ्र हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने अतिक्रमण पर विशेष नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि गर्मियों में जल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें एवं जिले में पानी की समस्या को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो इसके लिए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने दिव्यांग छात्र-छात्राओं का दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों से समन्वय कर दिव्यांग छात्रों का चिन्हांकन कर प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने आगामी खरीफ फसल को ध्यान में रखते हुए जिले में पर्याप्त खाद-बीज भंडारण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने मृत व्यक्तियों के नाम राशन कार्ड से हटाने के लिए सभी जनपद सीईओ व सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायतों आदि में वृक्षारोपण हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव भेजने कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एसपी वैद्य, जिला पंचायत सीईओ गोकुल कुमार रावटे, अपर कलेक्टर लवीना पांडेय, संयुक्त कलेक्टर निशा नेताम मड़ावी, संयुक्त कलेक्टर ममता यादव, सर्व एसडीएम सहित सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बार-बार प्रयास करने से जीत अवश्य मिलती है : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा व पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने आज जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और नवोदित खिलाड़ियों में खेल के प्रति जागरूकता लाने के लिए 20 मई से 09 जून 2024 तक 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ बास्केटबॉल मैदान जांजगीर में किया।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा विकसित करने में मदद करेगा। जिले में खेल अधोसंरचना व खिलाड़ियों की सुविधा विस्तार हेतु हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि कोई भी हार अंतिम हार नहीं है। हमें बार-बार प्रयास करना करते रहना चाहिए, क्योंकि बार-बार प्रयास करने से हमें जीत अवश्य मिलती है। खेल से हमें बहुत कुछ सीखने की मिलता है। मैदानी खेल से मानसिक व शारीरिक दोनो रूप से स्वस्थ्य रहते हैं। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर अपने माता-पिता, जिला, राज्य व देश का नाम रोशन करें।

पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा खेलों का अपना विशेष महत्व है। जिसके माध्यम से हम खेल भावना एवं टीम के रूप में कार्य करने की प्रवृति एवं अन्य चीजो को सीखते हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षण दे रहे प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि वे सभी बच्चों को अच्छी से अच्छी प्रशिक्षण दे व बच्चों के अंदर छुपे हुए प्रतिभा को बाहर लाएं। उन्होंने सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपनी पसंद के खेल की प्रशिक्षण प्राप्त कर अच्छा प्रदर्शन कर अपने माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ गोकुल कुमार रावटे, संयुक्त कलेक्टर ममता यादव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं विभिन्न खेल एसोशियन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बास्केटबाल प्रशिक्षण का आयोजन बास्केटबाल मैदान जांजगीर में, हैण्डबाल खेल प्रशिक्षण हैण्डबाल मैदान जांजगीर में, फुटबाल हाई स्कूल मैदान जांजगीर में, हॉकी ध्यानचंद्र हॉकी खेल मैदान जांजगीर में, वालीवाल सिटी क्लब जांजगीर में, नेटबाल, कराते, फैसिंग हाई स्कल मैदान जांजगीर में एवं सॉफ्टबाल, बैशबाल खेल प्रशिक्षण का आयोजन मेला ग्राउन्ड शिवरीनारायण में आयोजित होगा।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

डबल मर्डर से मची सनसनी, नशेड़ी पति ने कैरेक्टर पर शक के चलते पत्नी व बेटी की कर दी हत्या

बंद कमरे में बेटी और पत्नी की खून से सनी मिली लाश, घटना खरोरा थाना के ग्राम घिवरा का

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तिल्दा में एक नशेड़ी ने कैरेक्टर पर शक के चलते अपनी पत्नी व बेटी की हत्या कर दी। नशेड़ी ने पत्नी व बेटी पर धारदार हथियार से वार कर दिया। बताया जा रहा है कि बंद कमरे में बेटी और पत्नी की खून से सनी लाश मिली है। नशेड़ी पति ने आवेश में आकर पत्नी और बेटी का गला रेत दिया। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पीएम लिए भेजा। वहीं मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना खरोरा थाना के ग्राम घिवरा का है।

मिली जानकारी के मुताबिक योगेश वर्मा पूणे में रहकर काम करता है। उसकी बड़ी बेटी की शादी तय होने पर वह कुछ दिन पहले ही गांव आया। बताया जा रहा है कि योगेश वर्मा दोनों बेटियों की एक साथ शादी करना चाह रहा था लेकिन बड़ी बेटी की शादी तय हो गई और वह ससुराल चली गई। लेकिन छोटी बेटी की शादी नहीं हुई जिसके करण वह नाराज रहता था। बाहर मजदूरी करने के कारण योगेश वर्मा महीनों घर से दूर रहता था और इसके कारण पत्नी जानकी वर्मा के चरित्र पर भी शक करता था। योगेश वर्मा आदतन नशेड़ी है और इसके कारण आए दिन पत्नी से विवाद करता रहता था।

पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

एक ही घर में डबल मर्डर से गांव में सनसनी फैल गई। जिस घर में कुछ दिन पहले शादी हुई उस घर में हत्या की वारदात ने गांव के लोगों को सकते में डाल दिया। आनन फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई। जल्द ही पुलिस ने आरोपी योगेश वर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया। इसके बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया।

आवेश में आकर कर दी पत्नी व बेटी की हत्या

सोमवार को भी दोनों के बीच काफी विवाद हुआ और योगेश वर्मा ने आवेश में आकर अपनी पत्नी जानकी वर्मा का गला काट दिया। इसके बाद दूसरे कमरे में सो रही 22 वर्षीय बेटी लवली वर्मा की भी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद अंदर से घर का दरवाजा बंद कर बाड़ी के रास्ते से भाग गया। इस दौरान योगेश वर्मा का बेटा विवेक वर्मा पड़ोस में अपने मामा के घर पर था। वह जब घर आया तो अंदर से दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो वह छत से कूदकर अंदर पहुंचा। अंदर पहुंचने के बाद वहां का नजारा देख वह घबरा गया। इसके बाद उसने इसकी जानकारी पड़ोसियों को दी।

खास खबर

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण का आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए.)। विगत 25 अप्रैल 2024 को पीडिता कोरबी चैकी उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पेश कर बताया कि ग्राम पाली कसेरपारा निवासी रामनारायण सिंह से जान पहचान होने पर विगत 3 वर्षो से रामनारायण शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा है। वर्तमान में किसी अन्य लडकी से शादी करने की जानकारी मिलने पर पीड़िता उससे दूरी बनाने लगी 16 अप्रैल 2024 को पाली कसेरपारा नवरात्र के समय जवांरा पूजा कार्यक्रम में अपनी रिश्ते की नानी के घर गई थी कि रात्रि करीबन 8 बजे आरोपी रामनारायण इसे फोन कर बाहर बुलवाया और दो थप्पड मारा और खीचते करीबन 300 मीटर दूर सुनसान खेत में ले जाकर जान से मारने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाया और जीवन भर साथ रखूंगा बोला। दिनांक 18 अप्रैल को शादी में जाने निकला जो वापस नही आया तब आरोपी का पिता हरिनाम खोजकर 21 अप्रैल को घर लाया जो घर आने पर रामनारायण रखने से इंकार कर घर से निकाल दिया।

प्रकरण सदर में आरोपी घटना पश्चात् फरार था, जो 20 मई को मुखबीर की सूचना पर आरोपी सदर के निवास पर मिलने पर पूछताछ किया गया जो अपराध सदर घटित करना स्वीकार किया। आरोपी रामनारायण पिता हरिनाम सिंह 24 वर्ष साकिन पाली कसेरपारा चैकी कोरबी थाना पसान जिला कोरबा छग को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

सड़क हादसे में दो नाबालिगों की मौत, 5 गम्भीर

जशपुर। मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में दो नाबालिग किशोरों की मौत हो गई, वहीं 5 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। जानकारी के अनुसार, जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र के तहसील चौक के पास एक तेज रफ्तार हाइवा ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के दौरान ऑटो में कैटरिंग कर्मचारी सवार थे। इस हादसे में दो नाबालिग किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। वहीं, घटना के बाद हाइवा चालक मौके से फरार हो गया।

दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। आरंग पुलिस ने बाइक से गांजा तस्करी करते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 915 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर आरंग पुलिस ने ग्राम तामासिवनी के पास बाइक क्रमांक सीजी 04 पीएफ 4239 में सवार आरोपी मोहम्मद सहबाज 23 वर्ष और नीलेश कुमार निर्मलकर 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 915 ग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

घर से नकदी रकम पार

रायपुर (ए.)। दुबे कालोनी मोवा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 8 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

ट्रैफिक रूल नहीं किया फॉलो, 22 पुलिस कर्मियों का कटा चालन

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

जगदलपुर। बस्तर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में दुपहिया वाहन चालकों की जान बचाने के लिए पुलिस ने एक नया प्रयोग शुरू किया है। नियम का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। कार्रवाई की पहली कड़ी में सबसे पहले बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते 22 पुलिस कर्मियों का चालान काटा गया। इनमें महिला और पुरूष पुलिसकर्मी शामिल हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान जगदलपुर एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि 17 मई को बस्तर के सभी पुलिस थाना, चौकी, कंट्रोल रूम और जिला पुलिस बल इकाई को मैसेज जारी कर सूचित किया गया था। सूचना के मुताबिक, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का इस्तेमाल जरूरी है। जानकारी के बावजूद भी पुलिस कर्मी नियमों की अनदेखी करते हुए बिना हेलमेट के सड़कों पर निकले। इसके चलते पिछले 2 दिनों में 22 पुलिसकर्मी का चालान काटा गया। इसके अलावा बीच सड़क पर वाहन खड़ी करके ट्रैफिक जाम करने वाले वाहनों का चालान भी काटा गया। नो एंट्री में प्रवेश करने वाले वाहन और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत 100 वाहनों का चालान काटा गया। यह कार्रवाई बीते दो दिनों में हुई है। इसके अलावा शहर के अलग-अलग स्थानों में हेलमेट के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। एएसपी नाग के मुताबिक, 1 सप्ताह तक बस्तरवासियों को समझाइश दी जाएगी। इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीधे कार्रवाई होगी।

जानकारों की मानें तो बस्तर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में मौत का कारण सिर पर गंभीर चोट लगना पाया जा रहा है। इसमें सबसे बड़ा कारण दो पहिया वाहन चालक का हेलमेट नहीं पहनना होता है। ऐसे में दुर्घटना में जान बचाने के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। यही कारण है कि यातायात पुलिस की ओर से लगातार चालानी कार्रवाई कर वाहन चालकों को चेतावनी दी जाती है। बावजूद इसके लोग लापरवाही करते हैं। जनता तक बेहतर संदेश पहुंचाने के लिए सबसे पहली कार्रवाई पुलिस कर्मियों पह ही की गई। इसी के तहत 22 पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर चालान काटा गया।

निवेश के चक्कर में गवां बैठे 33 लाख रुपए, बेमेतरा में दो युवकों से ठगी

जांच में जुटी बेमेतरा पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शेयर बाजार में निवेश के नाम पर दो युवकों से 33 लाख रुपए की ठगी हो गई। पीड़ित युवक व उसके दोस्त के साथ ब्लाक ट्रेडिंग डिस्काउन्ट प्राईज में शेयर के नाम से आनलाइन के माध्यम से कुल 33 लाख रुपए को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा विभिन्न खातों मे ट्रांसफर करवाकर ठगी की गई है। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मणि कुमार देवांगन पिता खोरबाहरा देवांगन (38) निवासी परपोंडी के आवेदन पर अपराध दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि उसके मोबाइल पर 10 मार्च को फोन आया। सामने

वाले कॉलर ने शेयर मार्केट में रूचि के बारे में पूछा। जिस पर पींडित ने हां में जवाब दिया। इसके बाद वाट्सअप ग्रुप में जुड़ने के लिए लिंक भेजा गया।

वाट्सअप ग्रुप द्वारा 10 मार्च से 4 अप्रैल तक शेयर मार्केट के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि ट्रेडिंग अकाउन्ट खोलकर एप में पैसा जमा कर ब्लाक ट्रेड़िग/डिस्काउन्ट प्राईज (वास्तविक मूल्य से कम मूल्य पर) पर शेयर खरीद/बेच और ट्रेड़िंग कर सकते है। ट्रेनिंग लेने के बाद मणि कुमार ने यह जानकारी अपने दोस्त पिंकेश कुमार जायसवाल पिता टीकाराम जायसवाल निवासी गातापार थाना परपोड़ी को दिया। दोनों ने मिलकर शेयर खरीदी बिक्री व ट्रेडिंग करने के लिए राजी हो गये।

इसके बाद 4 अप्रैल को अपने मोबाइल में एप डाउनलोड किया। 8 अप्रैल को 50 हजार रुपए जमा किए गए। इसके बाद से रुपए जमा करने का सिलसिला 30 अप्रैल तक चला। दोनों ने लगभग 33 लाख रुपए जमा करा दिए। 33 लाख जमा होने के बाद भी इन्हें कोई फायदा होता नहीं दिख रहा है। इसके बाद रुपए जमा नहीं करने पर कॉलर द्वारा सेबी में शिकायत करने की धमकी दी। इसके बाद युवकों को लगा कि उनके साथ बड़ा स्कैम हो गया। तब जाकर युवक ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर जांच में ले लिया।

नहाने को लेकर विवाद : महिलाओं व युवतियों के बीच हुई मारपीट

कोरबा (ए.)। अप्पू गार्डन (विवेकानंद उद्यान) में संचालित वेव पुल में नहाने के बाद मारपीट की घटनाएं होने लगी है। आठ दिन पहले युवकों में मारपीट हुई थी, इसके बाद रविवार को महिलाओं व युवतियों में मारपीट हुई। इंटरनेट मीडिया में प्रचारित हो रहे वीडियो में युवतियां एक दूसरे का बाल खींचते व मारपीट करते दिखाई दे रही।

नगर पालिक निगम द्वारा सीएसईबी चैक में संचालित अप्पू गार्डन (विवेकानंद उद्यान) क्षेत्र विवादों से घिरता जा रहा है। मारपीट की घटनाएं बढ़ने से उद्यान आने वाले लोगों का मजा किरकिरा होने लगा है। जबसे उद्यान का बेव पुल चालू हुआ है, तब से विवाद की स्थिति ज्यादा बढ़ी है। गर्मी की वजह से अप्पू गार्डन के वेवपूल में कुछ घंटे बिताकर मजा करने काफी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। नगर निगम प्रबंधन ने विवाद से निपटने के लिए महिलाओं व पुरूषों के लिए अलग- अलग समय निर्धारित कर दिया है, पर विवाद खत्म नहीं हो रहा है। कुछ दिन पूर्व युवकों का दो गुट भिड़ गया था, यह मामला अभी पूरी तरह शांत नहीं हुआ था कि इस बार अप्पू गार्डन के बाहर रविवार को महिलाएं व युवतियां आपस में गुत्थम गुत्था होने के साथ पुरूषों में विवाद हो गया।

बताया जा रहा है कि विवाद की शुरूआत बेवपुल में नहाते वक्त हुआ था और बाद में यह अप्पू गार्डन के बाहर निकल कर मारपीट में बदल गया। इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हो रहे वीडियों में युवतियां और महिलाएं आपस में मारपीट कर रही हैं और बीच में पुरुष भी महिलाओं पर हाथ उठाते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं एक लड़का तो उक्त परिवार की कार के कांच को ही तोड़ता हुआ नजर आ रहा है। मारपीट और विवाद से भयभीत परिवार ने वहां से किसी तरह भाग कर खुद को बचाया। मामले की सूचना पुलिस में दी गई है अथवा नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। अप्पू गार्डन में बढ़ रहे विवाद के बाद अब आम लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि अप्पू गार्डन में आना सुरक्षित नहीं रह गया है, वह खासकर परिवार के लिए। हालांकि यह विवाद क्यों हुआ और किन लोगों के बीच हुआ इसका पता नहीं चल सका है।

6 साल बाद पकड़ाया हत्यारा, आरोपी मुकेश चौहान

पुरानी रंजिश में युवक का सिर पत्थर से कुचलकर भागा था बदमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 6 साल पहले एक युवक का सिर पत्थर से कुचलकर भागे बदमाश को आखिरकार पुलिस ने दबोच लिया। हत्या के बाद आरोपी लगातार आरोपी फरारी काट रहा था। कोर्ट से कई दफे उसके खिलाफ वारंट इश्यू हुआ लेकिन आरोपी पुलिस की गिरफ्तार से बाहर था। सोमवार को मोहन नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा। चुंकि मामला जीआरपी थाना दुर्ग के दायरे का है इसलिए केस को आरोपी को उनके सुपूर्द कर दिया गया। मामले में जीआरपी दुर्ग द्वारा धारा 307, 302 के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला अप्रैल 2018 का है। तितुरडीह कैलाश नगर जिला दुर्ग निवासी मुकेश चौहान ने पुरानी रंजिश में रायपुर निवासी

भकला उर्फ भोला की हत्या कर दी थी। घटना 26 अप्रैल 2018 की है। रायपुर निवासी भकला उर्फ भोला किसी काम से दुर्ग पहुंचा था। मुकेश चौहान से उसकी पुरानी रंजिश थी। जब भोला मुकेश से मिला तो उसे रलवे कालोनी दुर्ग बिजली आफिस के बगल में ले गया। यहां पर दोनों में विवाद हुआ और उसके बाद मौका पाकर उसने पत्थर से उसका सिर कुचल दिया। इससे भोला की मौत हो गई। घटना के बाद वह फरार हो गया।

इस मामले में जीआरपी थाना दुर्ग में अपराध क्रमांक 26/2018 धारा 307, 302 के तहत अपराध दर्ज किया गया। इसके बाद से आरोपी की तलाश की जा रही थी। इस दौरान कोर्ट से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वारंट भी जारी हुआ। इसके बाद भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। कोर्ट से बार बार वारंट जारी होता रहा। इस दौरान थाना मोहन नगर की टीम भी आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगी रही। इस बीच आरोपी मुकेश चौहान अपने घर पहुंचा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया और जीआरपी को सौंप दिया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी मोहन नगर प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकांक्षा पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक गुप्तेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक संतोष कुमार शर्मा, आरक्षक तारकेश्वर साहू, विश्वजीत टंडन एवं शकील खान की विशेष भूमिका रही।

कार की ठोकर से एक्टिवा सवार अधेड़ की मौत

रायपुर (ए.)। एक्सप्रेस वे अमलीडीह में कार की टक्कर से एक्टिवा सवार अधेड़ की मौत हो गई। मामले में राजेन्द्र नगर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रामजी दीवान 55 वर्ष प्रोफेसर कालोनी पुरानी बस्ती का रहने वाला था। बताया जाता है कि कल दोपहर वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 पीएल 1785 से कहीं जा रहा था, तभी अमलीडीह एक्सप्रेस वे पर कार क्रमांक सीजी 04 एचएम 4050 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए एक्टिवा को ठोकर मार दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल रामजी की मौत हो गई। मामले में राजेन्द्र नगर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर (ए.)। सत्यम विहार कालोनी डीडीनगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे हजारों रुपए का जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी घनश्याम कुमार देशलहरे 34 वर्ष सत्यम विहार कालोनी डीडीनगर की रहने वाली है। बताया जाता है कि 19-20 मई की दरम्यानी अज्ञात चोर ने प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी का जेवर पार कर दिए। चोरी गए जेवर की कीमत करीब 50 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

खास - खबर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर 01 जून को आयोजित होगा एक दिवसीय कार्यशाला

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयुक्त उच्च षिक्षा विभाग के निर्देषानुसार 01 जून को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल बिन्दुओं को समझाने हेतु कार्यषाला आयोजित करेगा। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप ने बताया कि प्रदेश के विष्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नये शैक्षणिक सत्र 2024-25 से राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 लागू किया जाना है। जिसके समूचित संचालन हेतु महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं अधिकारियों तथा कर्मचारियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों से पूर्णत: अवगत कराया जाना है। इसी उद्देष्य की पूर्ति के लिए हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 संवेदीकरण कार्यषाला का आयोजन समस्त 161 महाविद्यालयों के लिए किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि इसी संदर्भ में शासन के निर्देषानुसार प्रत्येक महाविद्यालय में राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 क्रियान्यवयन प्रकोष्ठ गठित किया जा रहा है। जो विष्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को लागू करने संबंधी समस्त दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

मतदान दल के अधिकारियों-कर्मचारियों को किया गया मानदेय का भुगतान

दुर्ग। लोकसभा निर्वाचन 2024 संपन्न होने के उपरांत कुल 1509 मतदान केन्द्रों में मतदान दल के कुल 6036 अधिकारियो-कर्मचारियों (पीठासीन अधिकारी को 1200 रूपए के दर से एवं मतदान अधिकारी 1, 2 एवं 3 को 900 रूपए के दर से) को मानदेय की कुल राशि 58 लाख 85 हजार 100 रूपए का भुगतान उनके बैंक खातें में 13 मई को किया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बी.के. दुबे से प्राप्त जानकारी अनुसार 1811 पुलिस सुरक्षाकर्मी को (900 की दर से) राशि 1629900 रूपए तथा 132 पुलिस सेक्टर अधिकारी को (7500 की दर से) राशि 990000 रूपए भुगतान किया गया। इस प्रकार पुलिस अधीक्षक दुर्ग को कुल राशि 2619990 रूपए का चेक जारी किया गया है। 134 सेक्टर अधिकारियों (7500 की दर से) राशि 100500 तथा बीएलओ (750 रूपए की दर से) का मानदेय राशि 1110000 तथा माईक्रो आब्जर्वर मतदान दिवस कार्य में लगे हुए (1200 रूपए की दर से) का मानदेय राशि 106800 रूपए का भुगतान 20 मई को किया गया है।

अविनाश वाजपेयी का मृत शरीर दान किया गया

दुर्ग। मृत्यु के बाद भी मानवता की भलाई के लिए मृत शरीर दान देने की एक और अनुकरणीय पहल दुर्ग शहर में की गई। आदित्य नगर,एचआईजी 1/17 निवासी अविनाश वाजपेयी के मरणोपरांत उनकी पार्थिव काया परिजनों द्वारा प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी के माध्यम से चिकित्सा अध्ययन हेतु दान कर दी। सितंबर 2021 में दिवंगत अविनाश वाजपेयी के साथ उनके छोटे भाई आशीष वाजपेयी ने सपत्नीक देहदान की वसीयत पवन केसवानी की काउंसलिंग के पश्चात जारी की थी। परिजनों द्वारा देहदानी अविनाश वाजपेयी के निधन की सूचना पर पवन केसवानी द्वारा उनका पार्थिव शरीर दान करने की औपचारिकता सम्पन्न कारवाई गई। मृत शरीर चिकित्सा अध्ययन एवं अध्यापन हेतु राजीवलोचन आयुर्वेदिक कॉलेज चंदखुरी को दान किया गया। देहदान से पूर्व उपस्थितजनों को इस बारे में संक्षिप्त संबोधन के पश्चात सामूहिक मौन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करवाई गई। इस नेक पहल के दौरान उपस्थित लोगों में आशीष वाजपेयी, विद्युत चौधरी, जय बैनर्जी, राकेश साहू, रतन शर्मा, ममता शर्मा,सुनीता बाजपेई अनुराग बाजपेई, मनीषा बाजपेई, दीपेश मंडल, संजय गुप्ता, रोहित रंगारी, वासुदेव रायकवार, डीके बोस सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

बीएसपी दे रहा महिलाओं को फोरव्हीलर चलाने की ट्रेनिंग

50 महिलाओं को एक महीने की मिलेगी ट्रेनिंग पहले बैच के लिए प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के आसपास के क्षेत्र में रहने वाली महिलाओं के लिए नि:शुल्क फोरव्हीलर ड्राइविंग की ट्रेनिग दी जा रही है। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) के तहत एक माह के लिए शहर की 50 महिलाओं को ड्राइविंग सिखाई जाएगी। कौशल विकास योजना के अंतर्गत दिए जा रहे इस प्रशिक्षण का उद्घाटन सोमवार को सीएसआर विभाग के सेक्टर 5 ऑफिस में कार्यपालक निदेशक कार्मिक एवं प्रशासन पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उन्होंने पहले प्रशिक्षु के लिए ड्राइविंग सिम्युलेटर शुरू करके इस प्रशिक्षण के पहले बैच का उद्घाटन किया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है, ताकि उन्हें उपयुक्त रोजगार के अवसर मिल सकें। इस अवसर पर महिला प्रशिक्षुओं ने गाड़ी चलाना सीखने के अपने अनुभव और इसके पीछे अपनी आकांक्षाएं भी साझा की। उद्घाटन के अवसर पर इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) जेवाय सपकाले, महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर एवं संयुक्त निदेशक (आईडीटीआर) अमित गुप्ता मंचासीन रहे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम मे महाप्रबंधक (कार्मिक) एचशेखर, सहायक महाप्रबंधक (टीएसडी) राघवेंद्र गर्ग, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) सुशील कुमार कामड़े सहित सीएसआर विभाग एवं आईडीटीआर के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारियों के साथ साथ महिला प्रशिक्षु भी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के पूर्व लिया गया साक्षात्कार

प्रशिक्षण के पूर्व बीएसपी के सीएसआर विभाग ने महिलाओं का साक्षात्कार किया जिसके आधार पर लाभार्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। कुल 50 महिला लाभार्थियों को आईडीटीआर द्वारा 25-25 के दो बैचों में एक महीने का लाइट मोटर वाहन ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल के अंतर्गत, एलएमवी लाइसेंस से सम्बन्धित औपचारिकताएं और व्यावहारिक-तकनीकी प्रशिक्षण भी दी जायेगी। इस पहल के तहत, क्लासरूम प्रशिक्षण और सिम्युलेटर प्रशिक्षण सीएसआर कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-5, भिलाई में प्रदान किया जाएगा। जबकि व्यावहारिक प्रशिक्षण भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्धारित स्थान पर दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, सभी महिला लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। आईडीटीआर लाभार्थियों के लाइसेंस के लिए भी आवेदन करेगा, आगे की प्रक्रिया के लिए लाभार्थी महिलाओं को संबंधित आरटीओ के समक्ष ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। इंस्टीट्यूट ऑफड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च परिवहन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में पेसेंजर और कमर्शियल वाहन चालकों को सुरक्षित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता रहा है सीएसआर

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) जेवाई सपकाले ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग, अपने आसपास के समुदाय के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन में हमेशा एक कदम आगे रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार के आईडीटीआर, नवा रायपुर के सहयोग से महिलाओं को दिया जाने वाला यह ड्राइविंग प्रशिक्षण अपने तरीके का अनोखा प्रशिक्षण है, क्योंकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हर महिला अपने परिवार को भी प्रशिक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के साथ साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाएगा।

महिलाओं के लिए ड्राइविंग एक बुनियादी आवश्यकता

संयुक्त निदेशक (आईडीटीआर) अमित गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा, कि सुरक्षित ड्राइविंग वर्तमान समय में एक बुनियादी और आवश्यक जीवन कौशल बन गया है, पर ड्राइविंग के दौरान कोई भी लापरवाही या असावधानी घातक परिणाम दे सकती है। सभी महिला प्रशिक्षु जो बीएसपी-सीएसआर के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं, यह प्रशिक्षण न केवल उनके जीवन कौशल को उन्नत बनाएगा बल्कि उनके लिए रोजगार के विकल्प भी पैदा करेगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर ने स्वागत भाषण दिया और महिलाओं हेतु ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व और विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) सुशील कुमार कामड़े द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह का संचालन विकास सहायक (सीएसआर) रजनी रजक द्वारा किया गया।

सिलाई कढ़ाई से हटकर ड्राइविंग का प्रशिक्षण

कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) पवन कुमार ने इस मौके पर कहा कि आमतौर पर महिलाओं के लिए कौशल विकास के नाम पर हर जगह केवल पारंपरिक महिला केंद्रित कौशल प्रशिक्षण जैसे सिलाई, कढ़ाई आदि प्रदान किया जाता है। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और हर तरह की जिम्मेदारी निभाने में सक्षम हैं। महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण एक अलग पहल है। बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च, ट्रेनिंग सेंटर, नवा रायपुर (आईडीटीआर) के सहयोग से जरूरतमंद महिलाओं को चार पहिया वहन ड्राइविंग में प्रशिक्षण देने की यह पहल उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह प्रशिक्षण पहल अन्य महिलाओं को भी गाड़ी चलाना सीखने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि सभी प्रशिक्षु लगन से सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित रूप से गाड़ी चलाना सीखेंगे।

बारिश पूर्व नाला साफ-सफाई का महापौर धीरज बाकलीवाल ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वर्षा ऋतु के पूर्व शहर के सभी बड़ी छोटी नालियों व नालों की साफ सफाई हेतु समुचित व्यवस्था किये जाने को लेकर आज सोमवार को महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा स्वास्थ्य प्रभारी हमीद खोखर,संजय कोहले, मनदीप सिंह भाटिया एवं स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के साथ गुरुद्वारा स्थित स्टेशन रोड नाला में चैन माउंटेन मशीन से नाले के अंदर तल तक हो रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के पूर्व शहर के सभी बड़ी नालियों व नालों की सफाई की जाये। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों बाद वर्षा ऋतु शुरू हो जाएगी। शहर में जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो।आपको बता दे कि इस वर्ष नगर निगम द्वारा क्रय किए गए मिनी चैन माउंटेन मशीन द्वारा नालों की सफाई कार्य जारी है। नगर निगम द्वारा पूर्व वर्षों से ठेके के माध्यम से नाला सफाई का कार्य कराया जाता था।अब नगर निगम द्वारा खुद की तीन माउंटेन मशीन से बेहतर सफाई कार्य किए जाने से इस सफाई कार्य अभियान को करने में काफी सफलता प्राप्त हो रही है। नगर निगम द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व बड़ी नालियों व नालों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है।नगर निगम महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा सफाई को लेकर हर संभव प्रयास किया जाता रहा है। लोगों को भी अपनी स्वच्छता की आदतों को बेहतर बनाते हुए नालियों में कचरा डालने की आदत को सुधारना होगा तभी हमारा शहर स्वच्छता के रूप में एक माडल बन पाएगा।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी समय वर्षा ऋतु के पहले शहर के सभी बड़ी नालियों और सड़कों की साफ-सफाई करना आवश्यक है। बड़े नालों का गहरीकरण किया जाए, ताकि बारिश के पानी की निकासी हो सके।कुछ दिनों बाद वर्षा ऋतु शुरू हो जाएगी। जगह-जगह जल भराव की स्थिति उत्पन्न होने से नगरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए वर्षा ऋतु से पूर्व बड़ी नालियों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करें।उन्होंने नागरिको से अपील कर कहा कि गीला कचरे को हरे डिब्बे में और सूखे कचरे को नीले डिब्बे में डालें।

बच्चों को खेल, चित्रकारी के साथ ही डांस सिखाया जा रहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय उमा शाला कोडिया में समर कैंप शुरू हुआ। पहले दिन खेल प्रभारी सुनील डड़सेना ने विद्यार्थियों को बैडमिंटन, फुटबॉल, कैरम और क्रिकेट जैसे खेलों का परिचय देते हुए उनकी बारीकियों से अवगत कराया।

प्रीतम देवांगन ने कहानी लेखन विद्या के बारे में बताया। प्राचार्य नीलमणि उज्वने ने छात्रों को प्रशिक्षण का महत्व बताया। शीला चंद्रा ने विद्यार्थियों को ग्रीष्मकाल में रखने वाली विभिन्न सावधानी के बारे में बताया, ताकि इस भीषण गर्मी में हम अपने आप को सुरक्षित रखें। तीसरे दिन में दानेश्वरी सिन्हा ने जुंबा डांस कराया। प्रत्येक दिवस की तरह विभिन्न प्रकार के खेलकूद कराया। रीना पिलोदिया ने कंप्यूटर डिजिटल संसाधनों के उपयोग के संबंध में बताया।

सेंट्रल एवेन्यू में लगे बैनर, पोस्टर को बीएसपी प्रबंधन ने हटाया

भिलाई। बीएसपी के द्वारा दो दिन पहले इस बात की सूचना दी गई थी कि अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर और झंडों आदि पर कार्रवाई की जाएगी। इसका एक्शन नजर आया बीएसपी की टीम के द्वारा अवैध रूप से लगाए गए बैनर, पोस्टर और होर्डिंग को निकालने के लिए कार्रवाई की गई।

बढ़ती गर्मी के बीच बिजली विभाग का मेंटनेंस बना मुसीबत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मौसम अपना तेवर दिखा रहा है। गर्मी ने जहां आम लोगों को पस्त कर दिया है। वहीं रही सही कसर बिजली कंपनी ने पूरी कर दी है। बिजली कंपनी ने बढ़ती खपत को देखते हुए प्री मानसून मेंटेनेंस की आड़ में लोड डाइवर्ट करना शुरू कर दिया है।

हर दिन शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में किसी न किसी फीडर में मेंटेनेंस के नाम पर सुबह से दोपहर तक बिजली गुल की जा रही है। ऐसे में लोगों पर दोहरी मार वाली स्थिति बन रही है। बीते दो दिनों से जहां दुर्ग जिले में पारा बढ़ा हुआ है। तपिश भरी गर्मी से बचने लोग एसी कूलर का जमकर उपयोग कर रहे हैं। बिजली के ट्रासंफार्मरों पर लोड अपेक्षाकृत बढ़ा है। इससे फाल्ट आने की शिकायत भी बढ़ी है। वहीं अचानक बिजली गुल होने से लोग भी परेशान हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आंख मिचौली शुरू हो गई है। लोड अधिक होने से ट्रांसफार्मरों के गर्म होने का खतरा हो गया है। बिजली कंपनी द्वारा गर्मी में लोड को देखते हुए जहां पावर ट्रांसफार्मरों की संख्या बढ़ाई गई थी, वहीं अतिरिक्त लाइन भी खिंची गई।

बावजूद इस गर्मी में अबाधित बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है। कंपनी द्वारा सब स्टेशन में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने के अलावा लाइन के लिए रिंग सिस्टम भी अधिकांश स्थानों पर बनाया, जिससे एक ओर से बिजली गुल होने पर दूसरे ओर से बिजली की आपूर्ति कम से कम समय में बहाल हो जाए, लेकिन ऐसा भी नहीं हो रहा है। बिजली घंटों गुल हो रही है। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि एक दो दिन समझ में आता है, लेकिन अक्सर इस तरह की स्थिति बन रही है। ऐसे में व्यवस्था पर ही सवाल उठने लगा है।परेशान लोग उठा रहे सवालबिजली वितरण कंपनी ने आगामी मानसून को देखते हुए तैयारी शुरू कर दी है।

इसे प्री-मानसून मेंटेनेंस का नाम देते हुए अलग-अलग हिस्सों में पांच से छह घंटे तक बिजली गुल कर मरम्मत व ट्री कटिंग जैसे कार्य किए जा रहे हैं। बिजली कंपनी की मानें तो मानसून को देखते हुए यह जरूरी है। दुर्ग शहर, भिलाई ईस्ट, भिलाई वेस्ट, छावनी, भिलाई-चरोदा, कुम्हारी, उतई, अहिवारा आदि क्षेत्र में हर दिन किसी न किसी फीडर को मेंटेनेंस के लिए बंद किया जा रहा है। इसे लेकर ही लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब गर्मी तेज हो रही है तब राहत देने की बजाए बिजली कंपनी मेंटेनेंस के नाम पर बिजली गुल कर रही है। यहां गुल रही बिजलीसोमवार को भिलाई में संजय नगर फीडर क्षेत्र से जुड़े उत्तर गंगोत्री सहित सुपेला क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। इस दौरान मेंटेनेंस कार्य किया गया। दुर्ग, भिलाई-चरोदा क्षेत्र में भी मेंटेनेंस कार्य किया गया।

मतगणना स्थल में आवश्यक व्यवस्था के लिए अधिकारियों को सौंपा गया दायित्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 07 दुर्ग के मतगणना हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने नोडल प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार मतगणना कार्य 04 जून 2024 को श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई में किया जाएगा।

जिसके सफल संचालन के लिए मतगणना स्थल के संपूर्ण व्यवस्था के नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार देवांगन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग तथा श्री लोकेश चंद्राकर आयुक्त नगर पालिक निगम दुर्ग संयुक्त रूप से रहेंगे। इनके मागदर्शन में मतगणना संबंधी विभिन्न कार्य व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी, सहयोगी अधिकारी एवं कर्मचारी की नियुक्ति की गई है। जिसके अंतर्गत मतगणना स्थल में कानून व सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व अरविन्द कुमार एक्का अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दुर्ग एवं अभिषेक झा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग को दिया गया है। मतगणना से संबंधित संपूर्ण प्रशिक्षण, मतगणना हेतु कर्मचारियों का रेण्डमाईजेशन एवं विधानसभावार नियुक्ति आदेश जारी करने का दायित्व अश्वनी कुमार देवांगन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग को दिया गया है। मतगणना संबंधी सामग्रियों की चेक लिस्ट अनुसार उपलब्ध कराना, स्टेशनरी एवं फोटोकापी इत्यादि की व्यवस्था का दायित्व महेश सिंह राजपूत डिप्टी कलेक्टर दुर्ग, पुष्पलता ध्रुव जिला पंजीयक दुर्ग एवं ममता टावरी तहसीलदार संबद्ध जिला निर्वाचन कार्यालय दुर्ग को सौंपा गया है। मतगणना स्थल में बेरिकेटिंग तथा दिव्यांग जनों हेतु रैम्प की व्यवस्था एवं सहायता केंद्र की स्थापना का दायित्व लवकेश ध्रुव डिप्टी कलेक्टर दुर्ग एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क) दुर्ग को सौंपा गया है।

मतगणना से संबंधित वीडियोग्राफ ी हेतु श्रीमती मोनिका वर्मा आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं निर्वाचन नियम पुस्तक तथा मतगणना से संबंधित प्रारूप उपलब्ध कराना तथा जानकारी आयोग को प्रेषित किये जाने का दायित्व बजरंग दुबे अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्ग, संतोष कुमार त्रिपाठी निर्वाचन पर्यवेक्षक, विकास पंचाक्षरी प्रभारी प्राचार्य मॉडल कॉलेज धनोरा, मुकेश सिंह ठाकुर डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, जयेश मुंडा सहायक ग्रेड 3, धर्मेंद्र जालान कुशल परिचारक, गौरव देवांगन सहायक ग्रेड 3, हरीश वागद्रे डाटा एंट्री ऑपरेटर आदि है।

सोशल मीडिया पर धूम मचाते काइरोप्रैक्टर

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

एक जमाना था जब प्रत्येक दर्द की दवा नाई के पास होती थी। गर्भवती की देखभाल से लेकर प्रसूता की मालिश का काम नाईन के जिम्मे होता था। अर्थात नाई का काम करने वालों को नसों, हड्डियों और मांसपेशियों की अच्छी जानकारी होती थी। यह विद्या पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आती थी। कुछ दशक पहले तक गर्दन अकड़ जाने, पीठ में भयंकर दर्द होने या बांहों में किसी प्रकार की तकलीफहोने पर लोग नाई की शरण में जाते थे। वह कानों को मरोड़कर, नसों को दबाकर, मांसपेशियों को खींच-तान कर ऐसे झटके देता था कि चटाक की आवाज आती थी। इसके बाद दर्द काफी कम हो जाता था। आज भी कुछ लोग गर्दन तुड़वाने, पीठ ठोंकवाने या सिर की चंपी करवाने के लिए नाई के पास ही जाते हैं। माना जाता है कि खानदानी नाई के पास ऐसे बहुत सारे गुर होते हैं जो यदि फिजियोथेरेपिस्ट के पास आ जाएं तो वो रोगी की बेहतर सेवा कर पाएंगे। जोड़ों और मांसपेशियों के बारे में देसी अखाड़े बाजों, विशेषकर कुश्ती के अखाड़ेबाजों को काफी अच्छी जानकारी हुआ करती थी। मल्लयुद्ध में शरीर के अंगों पर अमानवीय जोर आजमाइश की जाती है। कई बार छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो जाती हैं। कभी कंधा उतर जाता है तो कभी कुल्हा सरक जाता है। प्रत्येक अखाड़े में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इन जोड़ों को तुरंत वापस बैठा देते हैं। मेडिकल भाषा में इसे रिडक्शन कहते हैं। पर इसमें कुछ बाधाएं थीं। इसमें जोड़ बैठाने वाला केवल अपने अनुभव के भरोसे होता था। वह मुड़ी-तुड़ी बांह को देखकर अंदाजा लगाया करता था और उसी के आधार पर इलाज करता था। आधुनिक चिकित्सा शास्त्र इसे गलत मानता है। ऐसे किसी भी मामले में वह एक्सरे आदि कराकर पहले चोट की सही स्थिति का पता लगाता है। इसके बाद ही वह चिकित्सा की विधि तय करता है। इस बीच एक विधा और आ गई है। सोशल मीडिया पर काइरोप्रैक्टरों की बाढ़ आई हुई है। इसमें सुन्दर-सुन्दर महिलाएं और युवतियां ही रोगी होती हैं। काइरोप्रैक्टर उनकी कमर, पीठ, गर्दन, कंधे, जबड़े, नाभी सरकने आदि का इलाज एक झटके में कर देता है। पहले वह रोगी को एक विशेष अंदाज में दबोचता है और फिर एक झटका देता है। इसके बाद एक चटाक की आवाज आती है ओर रोगी मुस्कुराने लगती है। अब इसकी भी अलग से पढ़ाई होने लगी है। इसके लिए अभ्यर्थी का फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। फिजियोथेरेपी या मेडिकल डिग्री वालों के लिए एक साल के डिप्लोमा कोर्स हैं। छह महीने की फेलोशिप भी है। बैचलर, मास्टर, डॉक्टरेट, लाइसेंस के साथ यह विद्या भी नाई समुदाय से छीन ली जाएगी। बालों को संवारने, काटने-छांटने का काम तो नाई साज पहले ही ब्यूटी पार्लरों के हाथों गंवा चुका है। अब मालिश की उसकी खानदानी विद्या भी उसके किसी काम नहीं आएगी। डिग्री-डिप्लोमा वाले जल्द उन्हें झोला छाप घोषित करवा देंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950